दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली | बुधवार 04 फरवरी -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 46 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

ममता बनर्जी की पार्टी का बड़ा ऐलान
अकेले चुनाव लड़ेगी टीएमसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलावर को राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बाकी सभी सियासी दल टीएमसी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। ममता बनर्जी के इस फैसले को कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, भाजपा के खिलाफ विपक्षी पार्टियों ने मिलकर इंडिया ब्लॉक बनाया है। इनमें कांग्रेस के साथ ही टीएमसी भी शामिल है। इसके बावजूद ममता बनर्जी ने कांग्रेस को सीधे तौर पर सियासी ठेंगा दिखा दिया है।

कांग्रेस की उम्मीदों को झटका : बीते जनवरी महीने में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी (पश्चिम बंगाल) के चेयरमैन बीके हरिप्रसाद ने कहा था कि स्क्रीनिंग कमेटी की पहली बैठक हुई। उन्होंने बताया था कि पार्टी हाईकमान जल्द ही पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी नेतृत्व के साथ बैठक करेगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति को फाइनल किया जा सके। माना जा रहा था कि कांग्रेस को टीएमसी के साथ गठबंधन की उम्मीद थी।

2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने वाम दलों और इंडियन सेक्युलर फ्रंट के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हालांकि, पार्टी 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

नागद्वार से राजनगर रेजिडेंसी व लोहा मंडी-घंटाघर मार्ग पर शाम 5 से रात 9 बजे तक नो-एंट्री

जाम से राहत के लिए पुलिस व ट्रांसपोर्ट यूनियन का संयुक्त प्लान, ट्रायल के तौर पर लागू होगा निर्णय

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहर में पीक आवर्स के दौरान लगने वाले भीषण जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने बड़ा कदम उठाया है। नागद्वार से राजनगर एक्सटेंशन स्थित राजनगर रेजिडेंसी यू-टर्न और लोहा मंडी घंटाघर मुख्य मार्ग पर शाम 5:00 बजे से रात 9:00 बजे तक भारी व्यावसायिक वाहनों की नो-एंट्री लागू की जाएगी।

दरअसल, पीक ऑवर्स में इस रूट पर भारी वाहनों के आवागमन से अंबेडकर रोड और चौधरी मोड़ पर रोजाना लंबा जाम लग जाता है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी जाम की समस्या को खत्म करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। वहीं पूरे राज नगर एक्सटेंशन मार्ग पर भी ऐसी ही हालत रहती है। जाम लोगों के जनजीवन पर असर डालता है। वहीं वीवीआईपी मूवमेंट होने पर आमजन को परेशानी होती थी। तो रोजाना बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा सोशल मीडिया पर शिकायतें भी दर्ज करवाई जाती थीं।

ट्रांसपोर्ट यूनियन की सहमति, ट्रैफिक पुलिस रहेगी तैनात

करंट क्राइम : इस फैसले पर ट्रांसपोर्ट यूनियन एसोसिएशन के पदाधिकारियों की सहमति भी ली गई है। जाम नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए कई संवेदनशील स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी, ताकि यातायात सुचारू बना रहे। ट्रायल के रूप में लागू हो रहे कार्यक्रम में करंट क्राइम को मिली जानकारी के अनुसार, यह व्यवस्था फिलहाल कुछ दिनों के लिए ट्रायल के तौर पर लागू की जा रही है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो आने वाले समय में शहर के अन्य जाम प्रभावित क्षेत्रों में भी इसी तरह की नो-एंट्री व्यवस्था लागू की जाएगी। ट्रैफिक को लेकर हुई अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर आयोजित बैठक में डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन, एसीपी ट्रैफिक व इंस्पेक्टर सहित ट्रैफिक पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य है कि शहर के मुख्य मार्ग जाम-मुक्त रहें और दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक प्रेशर के बीच आम लोगों को कम से कम परेशानी झेलनी पड़े।

पिलखुआ/हापुड़ से नई दिल्ली के लिए ईएमयू सेवा शुरू करने की मांग

नॉर्दर्न रेलवे के महाप्रबंधक से मिले सांसद अतुल गर्ग, औपचारिक पत्र सौंपा

नई दिल्ली, करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने बड़ौदा हाउस स्थित नॉर्दर्न रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा से शिष्टाचार भेंट कर पिलखुआ/हापुड़ से नई दिल्ली के लिए ईएमयू रेल सेवा प्रारंभ करने का अनुरोध किया। इस संबंध में उन्होंने एक औपचारिक पत्र भी सौंपा। सांसद अतुल गर्ग ने अवगत कराया कि पिलखुआ, हापुड़ सहित आसपास के जनपद मेरठ और बुलंदशहर में बीते कुछ वर्षों में जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्तमान में बड़ी संख्या में नागरिक रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए प्रतिदिन दिल्ली का आवागमन करते हैं। उन्होंने कहा कि पिलखुआ/हापुड़ से नई दिल्ली के लिए ईएमयू रेल सेवा प्रारंभ होने से दैनिक यात्रियों को सुलभ, सुरक्षित एवं किफायती परिवहन सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही सड़क यातायात पर बढ़ते दबाव में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा, पिलखुआ/हापुड़ से नई दिल्ली के लिए ईएमयू रेल सेवा प्रारंभ होने से दैनिक यात्रियों को सुलभ, सुरक्षित एवं किफायती परिवहन सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही सड़क यातायात पर बढ़ते दबाव में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

हाउस टैक्स पर गाजियाबाद का सबसे बड़ा सवाल बढ़ा हुआ दें या पुराना? : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आज मेरे एक मित्र का फोन आया और उसने पूछा कि हमारा एक प्रश्न है उसका उत्तर किससे पूछे? आपसे से या किसी ओर से? आप से ही पूछ लेते हैं क्योंकि आप ही रोज आकाश पाताल बांधने की कहानियां गढ़ते रहते हो। आप प्रतिदिन् पोस्ट लिखते हो, सारे लोगों को ज्ञान बघारते हो। कभी कहानी सुनाते हो और कभी यूजीसी में क्या कितना सही है कितना गलत है खूब बताते हो। कभी कभी तो ऐसी पहेली बताते हो जिसका पता ही नहीं चलता कि किसे इंगित कर रहे हो, हमें तो हमारे एक प्रश्न का उत्तर बताओ, अगर खुद नहीं बता सकते तो किसी से पूछकर बताओ। आपके अलावा किस से पूछे? किसी से पूछ भी तो नहीं सकते। सभी व्यस्त हैं। सरकार और संगठन के इतने कार्यक्रम हैं उनसे किसी को फुर्सत मिले तो बात हो। अभी परसों ही तो बजट आया है सारे मंत्रीगण विधायकगण माननीय सांसद जी और तो छोड़ो भाजपा संगठन के सारे पदाधिकारी बजट की विशेषता बताने में व्यस्त हैं। सब अपनी अपनी बता रहे हैं।

गाजियाबाद में तो ट्रिपल इंजन की सरकार है। पार्षद से लेकर मेयर और डिप्टी मेयर तक सभी तो आपकी पार्टी के हैं, विधायक से लेकर मुख्य मंत्री तक सब भाजपा के हैं, लेखपाल से लेकर मुख्य सचिव तक सब भाजपा के निर्देश पर चलते हैं। माननीय सांसद से लेकर प्रधान मंत्री तक सभी तो आपकी पार्टी के हैं। अब तो राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोक सभा अध्यक्ष सभी तो आपके द्वारा चयनित हैं।

वर्तमान तो सभी पूरी शक्ति और सामर्थ्य से गाजियाबाद की अहर्निश सेवा में लगे हैं, यहां तो भूतपूर्व भी गाजियाबाद की चिंता करते हैं। आप भी तो भूतपूर्व हैं फिर भी गाजियाबाद की चिंता में दुबले हो जा रहे हैं। मैने कहा कि प्रश्न तो बताओ! तभी तो उत्तर मिलेगा। उस मित्र ने कहा कि प्रश्न बहुत सीधा सरल और छोटा सा है। शहर का हर नागरिक इसे पूछ रहा है लेकिन अभी तक कोई उत्तर नहीं मिला। मैंने कहा कि पहेली मत बुझाओ!! प्रश्न बताओ? उनका प्रश्न सुन कर मैं भी मौन हो गया क्योंकि मुझे भी नहीं पता। अगर आपको पता चले तो मुझे भी बताना।

उनका प्रश्न था - हाउस टैक्स बढ़ा हुआ जमा करना है या पुराना।

नागरिकों में भ्रम की स्थिति

गाजियाबाद शहर का आम नागरिक असमंजस में है कि हाउस टैक्स बढ़ी हुई दर पर जमा किया जाए या पूर्व की दर पर, क्योंकि अब तक इस पर कोई स्पष्ट सार्वजनिक जवाब नहीं आया है।

ट्रिपल इंजन सरकार के बावजूद जवाब गायब

पार्षद, मेयर, विधायक, सांसद से लेकर मुख्यमंत्री तक एक ही दल की सरकार होने के बावजूद इस सीधे-साधे सवाल पर स्पष्ट दिशा-निर्देश सामने नहीं हैं।

बजट प्रचार में उलझा प्रशासन

केंद्र और राज्य बजट की उपलब्धियां गिनाने में जनप्रतिनिधि और संगठन व्यस्त हैं, लेकिन स्थानीय नागरिकों के रोजमर्रा के सवाल हाशिये पर चले गए हैं।

मौन साधे हुए वर्तमान और भूतपूर्व

जो आज सत्ता में हैं वे भी चुप हैं और जो भूतपूर्व होकर भी शहर की चिंता जताते हैं, वे भी इस मुद्दे पर ठोस उत्तर नहीं दे पा रहे।

सवाल छोटा, असर बड़ा

'हाउस टैक्स बढ़ा हुआ दें या पुराना'—यह सवाल भले छोटा है, लेकिन इसका असर शहर के हर गृहस्वामी की जेब और भरोसे दोनों पर पड़ता है।

भाजपा नेता क्या समझा रहा था जीडीए के बड़े अधिकारी के कान में

कौन सी लैंड का वो कर रहा था जिक्र और कह रहा था आपको भी करनी चाहिए फिक्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। फूल वालों के यहां एक अजीब सीन ये है कि उन्हें किसी विपक्ष की जरूरत नहीं है। फूल वालों को फूल वालों से ही सावधान रहना है। जनप्रतिनिधियों से अगर बात करो तो वो तर्कश के तीर संगठन वालों की तरफ मोड देते हैं। संगठन वालों से अगर बात करो तो साईलेंटली रूप से वो भी सारा ठीकरा जनप्रतिनिधियों पर फोड़ देते हैं। कमाल ये है कि वो कभी भी हाथ, हाथी, साईकिल को बुरा नहीं बताते। वो जब भी कमी गिनायेंगे तो अपने दल वालों में ही गिनायेंगे। किसी भाजपा पार्षद के वार्ड में अगर वार्ड के ही चार भाजपाईयों से बात कर लो तो वो वार्ड की कमियों का पूरा कच्चा चिट्ठा सामने रख देंगे। चार में से तीन टिकट के दावेदार मिलेंगे। ये स्थिति हर जगह की है। किस्सा विकास वाले महकमें से निकला और किस्से में इस छोर पर भी हैं और इस छोर पर भी भाजपाई हैं केवल बीच में एक अफसर हैं। सूत्र बताते हैं कि भाजपा के नेता जीडीए में एक बड़े अधिकारी के पास पहुंचे। भाजपा नेता अक्सर जीडीए आते जाते रहते हैं। सूत्र बताते हैं कि यहां बैठते ही भाजपा नेता ने अफसर के कान में एक जमीन को लेकर बात कही। उन्होंने इस लैंड की कीमत बताई और कहा कि साहब ये अरबों की जमीन है और इस पर खेला होने की तैयारी है। इसके बाद भाजपा नेता ने अफसर को सावधान किया और कहा कि आपको भी इस मामले में अलर्ट रहना चाहिए। जमीन का जिक्र करते करते वो अपने ही अंदाज में ये भी कह बैठे कि अफसरों को भी इस बारे में फिक्र करनी चाहिए। सूत्र बताते हैं कि नेता जी तो ये बात कहकर चले गये और फिर देर तक इस बात पर चर्चा हुई कि नेता जी को इतना भी नहीं पता कि ये सरकारी महकमा है और ये किसी भी जांच में अपने ऊपर आंच नहीं आने देता।

महिला थाना और क्राइम ऑफिस का पार्क बनेगा खास
उगेगी हरी घास, लगेंगे झूले और भगवान शंकर की जटाओं से निकलेगा गंगा जल

- थाने पर लाइटिंग भी रहेगी भरपूर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में लगातार बुनियादी ढांचे और कार्यालयी व्यवस्था को आधुनिक रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में महिला थाना और एसीपी क्राइम कार्यालय परिस के सामने स्थित लंबे समय से खाली पड़े परिसर को अब एक आधुनिक और आकर्षक पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रस्तावित पार्क में हरी-भरी घास, बच्चों के लिए झूले, बैठने की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। पार्क का विशेष आकर्षण भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा होगी, जहां भगवान शंकर की जटाओं से फव्वारे के रूप में गंगाजल प्रवाहित होगा, जो पूरे परिसर को आध्यात्मिक और सौंदर्यपूर्ण रूप देगा। पार्क को पूरी तरह से आधुनिक लाइटिंग सिस्टम से सजाया जाएगा। ऊपर से हाई मास्ट लाइट और चारों ओर आकर्षक लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे रात के समय पूरा सरकारी कार्यालय परिसर दूर से ही जगमगाता नजर आएगा। पार्क के साथ-साथ फुटपाथ को भी विकसित किया जा रहा है, जहां अधिकारी और कर्मचारी बैठकर कुछ समय विश्राम कर सकेंगे।

महिला थाना परिसर में जल्द शुरू होगी आधुनिक कैंटीन

करंट क्राइम : वहीं दूसरी ओर महिला थाना, एसीपी क्राइम कार्यालय और लोकल इंटेलिजेंस कार्यालय में रोजाना बड़ी संख्या में फरियादी, पुलिस अधिकारी और कर्मचारी आते हैं। उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की ओर से आधुनिक कैफेटेरिया व कैंटीन का निर्माण किया जा रहा है। कैंटीन का निर्माण कार्य लगभग अंतिम चरण में है और जल्द ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा इसका उद्घाटन किया जाएगा। यहां पुलिस कर्मियों के साथ-साथ आने वाले फरियादियों को भी उचित दरों पर चाय, नाश्ता और अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे लोगों को बाहर दूर-दराज भटकना नहीं पड़ेगा। पुलिस कमिश्नरेट का यह प्रयास न सिर्फ कार्यालयों को आधुनिक स्वरूप देगा, बल्कि आम जनता और पुलिस कर्मियों दोनों के लिए सुविधाजनक वातावरण भी तैयार करेगा।

फरवरी माह में शुभ मुहूर्त में हवन मंत्रोच्चार के साथ शुरू होगा प्रभु हनुमान जी की मूर्ति का निर्माण कार्य

ये है प्रभु श्रीराम का काम और इसमें हर राम भक्त का रहेगा योगदान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर की सबसे पुरानी रामलीला अब एक नए भव्य अध्याय को शुरू करने जा रही है। 100 वर्ष से भी अधिक पुरानी रामलीला में अब प्रभु हनुमान जी की भव्य मूर्ति का निर्माण शुरू होने जा रहा है। झुझंनू से आये मूर्तिकार पहले ही यहां का निरीक्षण कर जा चुके हैं। मूर्ति की लागत को लेकर भी सब चीजें तय हो चुकी है। मूर्ति के भव्य निर्माण और भव्य स्थापना के लिए मौजूदा कमेटी पूरी तरह दृढ़ संकल्प है। मंगलवार को प्रभु हनुमान के दिन ही रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल, महामंत्री नरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू, मंत्री प्रदीप मित्तल तथा इस रामलीला से कई दशकों से जुड़े रामलीला के खलीफा नन्द किशोर मुख्य रूप से मूर्ति निर्माण स्थल पर पहुंचे। इन सभी ने मैदान से लेकर मूर्ति स्थल का प्रत्येक बिन्दु से निरीक्षण किया। मूर्ति स्थल को पहले ही चार दिवारी से कवर किया जा चुका है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल ने कहा कि हम प्रभु श्रीराम की भक्ति के सेवक है। हम प्रभु हनुमान जी के अनन्य भक्त है। हम पूरी आस्था और श्रृद्धा के साथ मूर्ति निर्माण के लिए तैयार हैं। वहीं रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू ने बताया कि मूर्ति का फाउंडेशन स्थल बेहद मजबूत बनाया गया है। लगभग 10 फीट नेचे से बेस बना है और उसके बाद 6 फीट ऊंचा मंच है और उसके बाद प्रभु हनुमान जी की मूर्ति तैयार हो रही है। इसमें गुणवत्ता और तकनीक का पूरा ध्यान रखा गया है। किसी भी कीमत पर गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हर रामभक्त के लिए प्रभु हनुमान जी की यह मूर्ति भक्ति का प्रतीक है। ये मूर्ति केवल रामलीला कमेटी की नहीं बल्कि पूरे शहर के हर राम भक्त प्रभु हनुमान भक्त की आस्था का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस बार विशेष रूप से इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि जब मूर्ति का निर्माण कार्य शुरू हो तो सबसे पहले यहां हवन होगा। मंत्रोच्चार होगा और भगवान श्री राम और प्रभु हनुमान को नमन करने के बाद ही मूर्ति के निर्माण का काम शुरू होगा। मूर्ति निर्माण के लिए शुभ मुहूर्त और शुभ तिथि तय होगी और फिर यहां काम शुरू हो जायेगा। कमेटी के महामंत्री नरेश प्रधान ने कहा कि हम सब रामभक्त प्रभु हनुमान जी की इस मूर्ति के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रभु श्रीराम का काम है और इसे वो एक तरह से वो स्वयं करा रहें हैं। हम केवल सेवक की भूमिका निभा रहे हैं। रामलीला के खलीफा और कई दशक पुराने सदस्य नन्द किशोर ने कहा कि वास्तव में यह एक बहुत पुराना सपना था जो पूरा हो रहा है। रामलीला कमेटी के महामंत्री रहे स्वर्गीय विनोद कुमार वीनू बाबा ने ये सपना देखा था। उनकी यह प्रबल इच्छा थी कि जिस रामलीला का नाम पूरे उत्तर प्रदेश में प्रतिष्ठा से लिया जाता है।

उस रामलीला के मैदान में प्रभु हनुमान जी की भव्य मूर्ति होनी चाहिए। कमेटी के मंत्री प्रदीप मित्तल ने कहा कि मूर्ति को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि मूर्ति के निर्माण पर जो भी लागत आयेगी उसके लिए पर्याप्त फंड है और यह भगवान राम का काम है और दाम भी वही देंगे। हम सब सेवक है और सेवा भाव के साथ इस कार्य को करेंगे।

संसद में टूटी मर्यादा : लोकसभा स्पीकर की तरफ कागज उछालने वाले आठ सांसद निलंबित, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली : संसद की कार्यवाही के दौरान मंगलवार सदन की मर्यादा टूटने का मामला सामने आया। लोकसभा में हंगामे के बीच कुछ सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी की ओर कागज फेंके। इस पर सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित सांसदों को सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। आठ सांसदों पर ये कार्रवाई हुई है। भारी शोर-शराबे और विरोध के कारण सदन की कार्यवाही कई बार रोकनी पड़ी। वहीं, कार्यवाही कल यानी बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

दोपहर तीन बजे जब चौथी बार लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि स्पीकर की ओर कागज फेंकने वाले सदस्यों के नाम दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐसे सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा। सदन ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बावजूद हंगामा थमता नहीं दिखा।

सदन में क्या कार्रवाई हुई? : आठ विपक्षी सांसदों पर कार्रवाई की गई। इन सभी को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया है। लोकसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

किन सासंदो को किया गया निलंबित? : डीन कुरियाकोस, किरण रेड्डी, अमरिंदर सिंह राजा वड़िग, मणिकम टैगौर, गुरजीत औजला, हिबी इडेन, वेंकेट रमन, प्रशांत पडोले।

संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन : इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सदस्यों ने लोकसभा से पार्टी सदस्यों के सस्पेंशन के खिलाफ संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार दोपहर से ही सदन में हंगामा हो रहा है, जब गांधी को 2020 के भारत-चीन संघर्ष पर पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण के अंशों पर आधारित एक लेख का हवाला देने से रोक दिया गया था।

संसद में सियासी रार: राहुल गांधी दूसरे दिन भी 'चीन राग' अलापते रहे, विपक्ष के हंगामे पर स्पीकर ने दिखाई सख्ती

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगातार दूसरे दिन भारत-चीन सीमा विवाद का मुद्दा उठाया। इस दौरान सत्ता पक्ष की तरफ से ऐतराज जताया गया। वहीं स्पीकर ने कई बार उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के लिए कहा, आखिर में स्पीकर ने दूसरे सदस्यों को बोलने के लिए आमंत्रित किया। जिसके बाद विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया। भारी हंगामे को देखते हुए स्पीकर लोकसभा की कार्रवाई दोपहर तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

राहुल गांधी ने लेख को किया प्रमाणित : इससे पहले विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उस लेख की प्रति को प्रमाणित किया जिसमें पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित 'संस्मरण' का हवाला दिया गया था। उन्होंने इसे प्रमाणित करते हुए सदन के पटल पर रखा। इसके बाद स्पीकर ने उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के लिए कहा। राहुल गांधी ने कहा, 'कल मैंने इस आर्टिकल पर अपना भाषण शुरू किया था। स्पीकर सर ने कहा था इसे प्रमाणित करें। मैं आज इसे प्रमाणित कर रहा हूं।

मैं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर बोलना चाहता हूं- राहुल गांधी – इसके बाद विपक्ष के नेता ने कहा, 'राष्ट्रपति के भाषण में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित है। पाकिस्तानियों, चीनियों और हमारे बीच के संबंध। इस लेख में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु है जिसकी मैंने पुष्टि की है। यह प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया के बारे में बात करता है... हमारे राष्ट्रपति का भाषण उस मार्ग के बारे में था जिस पर भारत को आज चलना है। विश्व मंच पर, अंतरराष्ट्रीय मामलों का मुख्य मुद्दा चीन और अमेरिका के बीच संघर्ष है। यह हमारे राष्ट्रपति के भाषण का केंद्र बिंदु है। मैं बस इतना कह रहा हूं कि मुझे चीन और भारत के बीच जो हुआ और हमारे प्रधानमंत्री ने उस पर क्या प्रतिक्रिया दी, उस पर एक बयान देने दीजिए। मुझे क्यों रोका जा रहा है?'

तीन सांसदों का बोलने से किया इनकार : वहीं जब राहुल गांधी ने अपनी चीन राग अलापना जारी रखा तो स्पीकर ने कई अन्य सदस्यों को बोलने के लिए आमंत्रित किया। तो राहुल गांधी के समर्थन में विपक्ष के तीन सांसद नरेश उत्तम पटेल, शताब्दी राय, डीएम खातिर आनंद ने बोलने से इनकार कर दिया।

ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले एसआईआर कराने पर उठाए सवाल, बोलीं- असम को क्यों छोड़ा गया?

नई दिल्ली। एसआईआर पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंगाल में इसे लेकर लगातार विवाद बढ़ रहा है। इसी बीच नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क़) प्रक्रिया को लेकर केंद्र और चुनाव तंत्र पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, उन्हें अपना पक्ष रखने का उचित मौका नहीं दिया जा रहा। ममता बनर्जी ने इसे चुनाव से ठीक पहले की गई संदिग्ध कार्रवाई बताया।

ममता बनर्जी ने कहा कि उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद लोग एसआईआर प्रक्रिया के पीड़ित हैं और ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। उनके अनुसार कई वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित लोगों को न तो ठीक से सूचना दी जा रही है और न ही उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल रहा है।

चुनाव से ठीक पहले एसआईआर प्रक्रिया क्यों शुरू की गई?

इतनी बड़ी जांच दो-तीन महीने में बिना पहले से योजना के कैसे पूरी की जा सकती है?

चार चुनावी राज्यों में से तीन में एसआईआर हो रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में क्यों नहीं?

एसआईआर के कथित पीड़ितों को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा। कई लोग एसआईआर से प्रभावित हैं और बड़ी संख्या में लोग इससे परेशान भी हैं।

मुख्यमंत्री ने एसआईआर की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई। उन्होंने पूछा कि क्या इतनी बड़ी जांच बिना लंबी तैयारी के दोझतीन महीने में पूरी की जा सकती है। उनके मुताबिक इससे चुनावी निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं और मतदाताओं में भ्रम की स्थिति बनती है।

भाजपा शासित राज्य का भी किया जिक्र

ममता बनर्जी ने कहा कि चार चुनावी राज्यों में से तीन में एसआईआर किया जा रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में यह प्रक्रिया नहीं हो रही। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण करार दिया। उनका आरोप है कि विपक्ष शासित राज्यों को निशाना बनाकर यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

चुनाव आयोग से मुलाकात और विरोध

उन्होंने बताया कि एक दिन पहले वह प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने गई थीं और एसआईआर से प्रभावित लोगों को भी साथ ले गईं। ममता बनर्जी का कहना है कि बैठक के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं हुआ, जिसके विरोध में उन्होंने बैठक छोड़ दी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ बताया।

पीड़ितों को न्याय दिलाने का दावा

ममता बनर्जी ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, वे वास्तविक नागरिक हैं और लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी पार्टी ऐसे लोगों की कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि मताधिकार की रक्षा के लिए यह अभियान जारी रहेगा और जरूरत पड़ी तो बड़े स्तर पर आंदोलन भी होगा।

'सरकार अत्यधिक नमक सेवन के खतरों के बारे में फैला रही जागरूकता', राज्यसभा में स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार (03 फरवरी) को राज्यसभा में बताया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने पाया है कि अत्यधिक नमक का सेवन देश में उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को और बढ़ा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार अत्यधिक नमक सेवन के खतरों के बारे में जागरूकता फैला रही है।

'ईट राइट इंडिया' अभियान चला रहा सरकार : स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के माध्यम से, स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने और अत्यधिक नमक के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 'ईट राइट इंडिया' अभियान चला रही है।

सीमित करने के बारे में सलाह : उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत, प्रमुख गतिविधियों में जनसंचार माध्यम और सोशल मीडिया कैंपेन जैसे 'आज से थोड़ा कम' शामिल हैं, जिनका उद्देश्य दैनिक आहार में नमक, चीनी और वसा की मात्रा को धीरे-धीरे कम करने के लिए प्रोत्साहित करना और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए ईट राइट टूलकिट का विकास और प्रसार करना है, ताकि वे लोगों को उच्च वसा, चीनी और नमक (एचएफएसएस) वाले खाद्य पदार्थों को सीमित करने के बारे में सलाह दे सकें।

सामान्य टेबल नमक के उपयोग पर जोर : दरअसल, प्रभावों और सुरक्षा पर उपलब्ध साक्ष्यों की समीक्षा और अतिरिक्त प्रासंगिक कारकों पर विचार के आधार पर डब्ल्यूएचओ ने सोडियम का सेवन प्रतिदिन 2 ग्राम से कम करने की सिफारिश की है। नड्डा ने कहा कि इस संदर्भ में कम मात्रा में सामान्य टेबल नमक का उपयोग करना सोडियम की मात्रा कम करने की समग्र रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।यदि आप टेबल सॉल्ट का उपयोग करना चाहते हैं, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन नियमित टेबल सॉल्ट को कम सोडियम वाले पोटेशियम युक्त विकल्पों से बदलने का सुझाव देता है (सशर्त सिफारिश)।

'यह न्याय व्यवस्था के लिए बीमारी, अब इलाज जरूरी' फैसलों में देरी पर सीजेआई सूर्यकांत की दो टूक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स में फैसले सुनाने और उन्हें सार्वजनिक करने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह न्याय व्यवस्था की एक पहचान योग्य बीमारी बन चुकी है, जिसे अब जड़ से खत्म करना जरूरी है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि समय पर न्याय न मिलना, न्याय से वंचित किए जाने जैसा ही है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ झारखंड हाईकोर्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट ने 4 दिसंबर 2025 को याचिका खारिज करने का मौखिक आदेश तो सुना दिया, लेकिन महीनों बाद भी उसका लिखित फैसला अपलोड नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से पेश वकील से कहा कि इस तरह की देरी का कोई औचित्य नहीं है और निर्देश दिया कि पूरा फैसला अगले सप्ताह के अंत तक संबंधित वकील को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, मामले को फरवरी 16 से शुरू होने वाले सप्ताह में फिर सूचीबद्ध करने का आदेश दिया गया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका के भीतर इस समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा 'कुछ जज बेहद मेहनती होते हैं, कई मामलों की सुनवाई कर फैसले सुरक्षित रखते हैं, लेकिन फिर लंबे समय तक निर्णय नहीं देते। यह व्यक्तिगत आरोप नहीं है, बल्कि पूरी न्यायपालिका के सामने एक चुनौती है। यह बीमारी है और इसे फैलने नहीं दिया जा सकता।'

सीजेआई ने यह भी चिंता जताई कि कई मामलों में बहस पूरी होने के बाद भी केस को बार-बार आगे के निदेर्शों के लिए सूचीबद्ध किया जाता है, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी बढ़ती है।

गाय ने बढ़ाई महिलाओं की कमाई पंचगव्य से बना रहीं मूर्तियां, अगरबत्ती

संभल। गांव बनियाखेड़ा, संभल की अनुपमा सिंह ने मास्टर ऑफ सोशल वर्क की डिग्री लेने के बाद कहीं बाहर जाने के बजाय अपने गांव में ही अपनी किस्मत संवारी। उन्होंने जानकी महिला स्वयं सहायता समूह के साथ मिलकर पंचगव्य से अपनी जिंदगी बदली। अब वे मूर्तियां, दीपक, अगरबत्ती, दीवार घड़ी, चौकी, मोबाइल स्टैंड और अन्य उत्पाद बनाकर सालाना करीब 2.5 लाख रुपये कमा रही हैं। साथ ही उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार दिया, जो आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार का संबल बन रही हैं। इसके साथ ही वह हर्बल गुलाल बनाकर मार्केट के केमिकल वाले रंगों से बचाती भी हैं।

समूह से जुड़ाव ने बदल दी तस्वीर : अनुपमा जानकी स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं तो साप्ताहिक बैठकें शुरू हुईं। कम ब्याज पर ऋण मिलने लगा और समस्याएं साझा मंच पर सुलझने लगीं। समूह से पहली बार ऋण लेकर उन्होंने पंचगव्य उत्पादों का काम शुरू किया। समय पर ऋण चुकाया, नियमित बचत शुरू की और धीरे-धीरे यही कदम बड़े उद्यम की बुनियाद बन गया।

गोमय उत्पादों से नई पहचान : अनुपमा ने प्रशिक्षण के बाद घर पर ही गोबर की मूर्तियां, दीपक, अगरबत्ती, दीवार घड़ी, चौकी, मोबाइल स्टैंड और हर्बल गुलाल बनाना शुरू किया। देखते ही देखते गांव में इन उत्पादों की पहचान बनी। मेलों व स्थानीय बाजारों में ऑर्डर मिलने लगे।

नाभा जेल से बाहर आए बिक्रम मजीठिया बोले- मुझे जेल में मरवाना चाहती थी सरकार

पटियाला (पंजाब)। आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया नाभा जेल से बाहर आ गए हैं। जेल के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी। मजीठिया के समर्थक जेल के बाहर डटे हुए हैं। जेल के बाहर ढोल-नगाड़ों के साथ भंगड़ा हो रहा है। मजीठिया करीब सात माह से नाभा जेल में बंद थे। बाहर आने के बाद मजीठिया ने आप सरकार पर हमला बोला। मजीठिया ने आरोप लगाया कि आप सरकार मूसेवाला की तरह मुझे मरवा सकती है लेकिन मजीठिया न झुकेगा, न रूकेगा। मैं पंजाब की बात करता रहूंगा। उन्होंने विपक्ष के नेताओं का धन्यवाद किया। मजीठिया ने कहा कि सरकार ने उनकी पत्नी को बहुत परेशान किया। मजीठिया में कहा कि सरकार चाहती थी कि वह जेल से जिंदा बाहर ना आएं लेकिन पंजाब के सभी लोगों की दुआओं का असर है कि वह पूरी चढ़दी कला में हैं। साथ ही वह ऐलान करना चाहते हैं कि वह सरकार से नहीं डरते हैं और आगे भी इसी तरह से पंजाब के किसानों, मजदूरों लोगों और नौजवानों की आवाज बनकर सरकार के खिलाफ झंडा बुलंद करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। अगर कोई इस पर सवाल उठता है तो उस पर झूठे केस डालकर जेल में डाल दिया जाता है।

डेरा ब्यास प्रमुख ने की थी मुलाकात : राधा स्वामी सत्संग डेरा ब्यास प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों सोमवार को मजीठिया से मुलाकात करने नाभा जेल पहुंचे थे। उन्होंने करीब अधा घंटा जेल में मजीठिया से बात की। डेरा प्रमुख ने बाहर आकर कहा था कि मजीठिया के खिलाफ लगे सभी आरोप झूठे हैं। मजीठिया उनके दोस्त हैं, इसलिए वे उनसे मिलने आए हैं। जेल में वह खुश और पूरी तरह चड़दी कलां में हैं।

दिल्ली मेट्रो केबल चोरी केस: गिग वर्कर को नहीं मिली जमानत कोर्ट ने कहा- आरोपी ने जनता की जान से किया खिलवाड़

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मेट्रो लाइन से 32 मीटर कॉपर केबल चोरी करने के आरोपी एक गिग वर्कर को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी ने जनता की जान के साथ खिलवाड़ किया और सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि आरोपी ने केवल कोई लापरवाह हरकत नहीं की, बल्कि उसके कृत्य से आम जनता के जीवन और अंगों को गंभीर खतरे में डाला गया।

जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि आरोपी आदतन अपराधी है। अदालत ने 31 जनवरी को पारित आदेश में कहा, जमानत देते समय इस अदालत को सार्वजनिक हित और निजी हित के बीच संतुलन पर विचार करना होता है। इस मामले में आवेदक आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ करने का दोषी है। अदालत ने कहा कि आरोपी द्वारा किया गया अपराध समाज पर व्यापक प्रभाव डालता है, खासकर इसलिए क्योंकि उसने लोगों को गंभीर खतरे में डाला है।

अदालत ने कहा कि आवेदक ने कोई साधारण या लापरवाह हरकत नहीं की है, बल्कि उसने सार्वजनिक खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया है। इन सभी तथ्यों और कानूनी पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और ये सभी कारण जमानत देने से इनकार करने के लिए पर्याप्त हैं।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, एक फूड डिलीवरी ऐप में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करने वाला आरोपी 29 और 30 जून 2025 की दरम्यानी रात 2:51 बजे ट्रैक्शन पावर कंट्रोल की ओर से चोरी की सूचना मिलने के बाद पंजाबी बाग इलाके में कॉपर केबल के साथ पकड़ा गया था। आरोपी जुलाई 2025 में गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में है।

दिल्ली पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत चोरी का मामला दर्ज किया है।

इंसानियत शर्मसार: सड़क पर गिरे शख्स के तड़प-तड़पकर निकले प्राण, मदद के बजाय युवक मोबाइल चुराकर भागे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। एक व्यक्ति अचानक सड़क पर गिर गया, लेकिन मदद करने के बजाय, दो युवक स्कूटी पर सवार होकर आए और पहले उसका मोबाइल चुरा लिया। कुछ देर बाद वे वापस लौटे, जेबें टटोलीं, और जब उन्हें कुछ नहीं मिला और सीसीटीवी कैमरे का ध्यान आया, तो वे फरार हो गए। समय पर इलाज न मिलने के कारण उस व्यक्ति की मौत हो गई।

यह चौंकाने वाली घटना रनहोला थाना क्षेत्र के विकास नगर इलाके में घटी, जहां एक व्यक्ति सुबह चार बजे के बाद अचानक जमीन पर गिर पड़ा और तड़पने लगा। इसी बीच, दो युवक एक स्कूटी पर सवार होकर वहां पहुंचे। उन्होंने पीड़ित की मदद करने के बजाय, मौका देखकर उसका मोबाइल फोन चुरा लिया और वहां से चले गए।

कुछ समय बाद, वही दोनों युवक फिर से उसी स्थान पर लौटे। इस बार उन्होंने पीड़ित व्यक्ति की जेबें टटोलने की कोशिश की, शायद यह देखने के लिए कि कहीं कोई कीमती सामान तो नहीं है। जब उन्हें जेबों में कुछ नहीं मिला, तो उनकी नजर सीसीटीवी कैमरों पर पड़ी। कैमरों की मौजूदगी को भांपते ही, वे तुरंत वहां से भाग निकले।

इस पूरी घटना के दौरान, पीड़ित व्यक्ति को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाई। वह जमीन पर पड़ा रहा और धीरे-धीरे उसकी हालत बिगड़ती चली गई। जब तक कोई गंभीर मदद पहुंच पाती, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसे समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण उसकी मौत हो गई।

इस मामले में मरने वाले की शिनाख्त नहीं हो पाई है, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर उसकी पहचान कर रही है।

साथ ही मोबाइल लेकर भागने वाले बदमाश की तलाश में पुलिस उनके संभावित ठिकाने पर दबिश दे रही है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

संगठन ने अब और अधिक प्रभावी तरीके से संभाली है वोट अभियान की कमान

विधायकों से लेकर पदाधिकारियों को सौंपी टारगेट के साथ जिम्मेदारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसआईआर अभियान के बाद उम्मीदों को झटका लगा है। अभियान में बीएलओ भी लगे और अभियान में भाजपा की टीमें भी लगी। अभियान में आरडब्लूए भी आगे आई और अभियान में भाजपा की कार्यकर्ता फौज भी उतरी। लेकिन यहां पर सबसे बड़ा झटका उन मतदाताओं ने दिया जिनके लिए ये अभियान चला था। मतदाता वोटर अभियान के पूरे सीन से उदासीन रहे। उन्होंने फार्म तो ले लिये लेकिन वो भरकर जमा ही नहीं कराये। बीएलओ भी घर पर दस्तक देकर आ गये। लेकिन दिनांक निकल गई और फार्म नहीं आये।

इस नजरिये ने भाजपा हाईकमान की चिंता बढ़ा दी। डाटा पर जब निगाह गई तो पता चला कि ये तो घाटा हो गया। इसके बाद संगठन ने अपना पूरा ध्यान फार्म-6 की ओर लगाया। एक बार फिर उम्मीदें बढ़ी और इस अभियान को एसआईआर अभियान -2 का नाम दिया गया। अभियान को लेकर भाजपा गंभीर है और इसकी गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लखनऊ वाली बैठक में सबसे बड़ी विधानसभा को लेकर मुख्यमंत्री का फोकस रहा था और उन्होंने तीन बार इस विधानसभा का नाम लिया था। हालांकि वोटों की इस कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट एएसडी का है और इसमें भी शिफ्टिंग ने पूरे सीन को ट्विस्ट किया है। भाजपा इस अभियान को लेकर एक बार पूरी ऊर्जा के साथ फिर से मैदान में है। वो लगातार अभियान के हर कदम की समीक्षा कर रही है। मंगलवार को अभियान को लेकर एक बैठक हुई और इस बैठक की अध्यक्षता अभियान के प्रभारी सांसद अमरपाल मौर्या ने की।

बताया जाता है कि इस अभियान को लेकर संगठन ने वोट का टारगेट तय किया है। ये तय किया है कि इस अभियान में जनप्रतिनिधियों को भी टारगेट दिया गया है और संगठन के पदाधिकारियों को भी टारगेट दिया है। पदाधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर दावेदारी में हो तो भी इस अभियान में रिजल्ट देना है। अगर पदाधिकारी वाली रेस में हो तो भी रिपोर्ट कार्ड में इस अभियान का रिजल्ट जुड़ेगा।

हर पार्षद को बनवाने हैं अपने वार्ड में 100 नए वोट

करंट क्राइम। जनप्रतिनिधि की सबसे पहली शहरी ईकाई पार्षद होता है। पार्षद शहर में प्रथम जनप्रतिनिधि होता है और इसके बाद जनप्रतिनिधि वाला कॉलम शुरू होता है। भाजपा ने एसआईआर अभियान -2 में अपने पार्षदों को भी जोड़ लिया है। हालांकि पार्षद पहले से ही इस अभियान में एक्टिव रहे हैं। लेकिन एसआईआर अभियान-2 में पार्षदों को टारगेट दे दिया गया है। एसआईआर अभियान-2 में भाजपा के हर पार्षद को कम से कम 100 वोट बनवानी है और उन्हें ये लक्ष्य दे दिया गया है।

हर पदाधिकारी को मिली है कम से कम 10 वोट की जिम्मेदारी

करंट क्राइम। भाजपा ने अपने सभी पदाधिकारियों को इस अभियान से रिजल्ट ओरिएंटिड तरीके से जोड़ा है। भाजपा के पदाधिकारियों को वोटर अभियान की जिम्मेदारी दी गई है। पदाधिकारी चाहे मंडल स्तर के हों या वो महानगर स्तर के हों। सभी को कम से कम 10 नए वोट बनवाने हैं। पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र में एक्टिव रहेंगे और 10 वोट की जिम्मेदारी को पूरा करते हुए अपनी भागीदारी निभायेंगे।

10 वोट का भी नहीं है कद तो बेहतर रहेगा छोड़ दें पद

करंट क्राइम। संगठन की बैठक में सीधे सीधे बता दिया गया है कि वोट वाले अभियान को लेकर जीरो टॉलरेंस पर काम होगा। सभी को काम करना है और सभी को अपने अपने हिस्से की वोट बनवानी है। पार्षदों को टारगेट मिला है और मंडल से लेकर महानगर के सभी पदाधिकारियों को टारगेट मिला है। इस अभियान की सबसे खास बात ये है कि जो पदाधिकारी या सदस्य निष्क्रिय चल रहे है। उन्हें भी टारगेट दिया गया है। निष्क्रिय चल रहे पदाधिकारियों की फीडबैक लेते हुए संदेश दे दिया गया है कि अगर तुम 10 वोट भी नहीं बनवा सकते तो बेहतर रहेगा कि पद छोड़ दो। सूत्र बताते हैं कि निष्क्रिय पदाधिकारियों को निष्क्रियता वाले मोड पर नहीं रखा गया है। उन्हें भी अपना टारगेट पूरा करना है और टारगेट पूरा ना होने पर फिर उन्हें 10वोट के बदले अपना पद लौटाना होगा।

प्रत्येक विधायक को मिलेगा एक वार्ड का टारगेट

करंट क्राइम। संगठन की बैठक में एसआईआर अभियान -2 को लेकर विस्तृत समीक्षा हुई। यहां संगठन पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और कहा कि जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाये। सूत्र बताते हैं कि संगठन टीम में प्रत्येक विधायक को एक वार्ड देने की बात कही। इसमें कहा गया कि प्रत्येक विधायक को एसआईआर अभियान -2 में एक-एक वार्ड दिया जाये। इस वार्ड में हुए वोटर लिस्ट वाले काम की समीक्षा की जाये और इसी से ये भी पता चलेगा कि विधायक ने दिये गये वार्ड पर कितना काम किया है। भाजपा चाहती है कि पहले वाले अभियान में हुए घाटे की भरपाई इस अभियान में इन लक्ष्यों के जरिए पूरी की जा सके।

अगर है दावेदारी तो देवतुल्य समझ लें जिम्मेदारी

करंट क्राइम। एसआईआर अभियान ने कई दावेदारों के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। अब संगठन इस अभियान को पूरे ध्यान से हर कदम पर मॉनीटर कर रहा है। संगठन ने विधायक से लेकर पार्षदों की ड्यूटी लगाई है। संगठन ने पदाधिकारियों को टारगेट सौंपा है। संगठन ने निष्क्रिय चल रहे पदाधिकारियों को भी यह कहकर एक्टिवेट कर दिया है कि अगर 10 वोट भी नहीं बनवाओगे तो फिर पद से हाथ धोने जैसी चोट खाओगे। सूत्र बताते हैं कि संगठन का ये लक्ष्य कई दावेदारों का गेम बिगाड़ सकता है। क्योंकि संगठन हर वार्ड की, हर बूथ की मॉनीटरिंग कर रहा है। इस बात का डाटा भी कलैक्ट हो गया है कि कौन से बूथ पर कौन से वार्ड में कौन सा दावेदार रहता है, कौन सा जनप्रतिनिधि रहता है और सभी को लक्ष्य के बारे में बता दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि अब इस रेस में जो फेस पीछे रह जायेगें। उनकी राजनीति का समीकरण ये अभियान बिगाड़ सकता है।

क्या महकमों में विकास वाले रिनोवेशन के नाम पर हो रही है डोनेशन की मांग

व्यापार मंडल से लेकर समाजसेवी संस्थाओं में चर्चा कि हमसे भी की गई है ऐसी ही डिमांड

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महकमें के काम में अगर किसी भी प्रकार का खर्चा आता है तो उसका पर्चा महकमें के खजाने से ही काटा जाता है। महकमें वाले सड़क का निर्माण कराये या अपनी ईमारत पर रंग-रोगन कराये, वो उसका पैसा खुद वहन करते है। जन सहभागिता के और काम है मगर इन दिनों शहर में चर्चा एक ऐसे खर्चे को लेकर हो रही है जिसके लिए विभाग पब्लिक की ओर देख रहे हैं।

समाजिक संस्थाओं से लेकर आरडब्लूए के पास ये ऑफर आ चुके हैं। पार्षदों के पास ऐसी ही सूचना है तो विकास वाले महकमें के ठेकेदार भी इस प्रकार की डिमांड वाली बात को स्वीकार कर रहे हैं। धीरे धीरे ये बात विपक्ष के नेताओं तक भी पहुंची है और सबसे खास बात ये है कि व्यापार मंडल के वो नेता भी अब इस बात को लेकर हैरान है कि आखिर उनसे ये डिमांड क्यों की जा रही है। वहीं सूत्र बताते हैं कि रेनोवेशन के नाम पर डोनेशन के सीन में पूरी तरह से पारदर्शिता भी बरती जा रही है। जो पैसा लिया जा रहा है उसका हिसाब भी है और रेनोवेशन वाले डोनेशन में पैसे के लेनदेन यानी ट्रांजेक्शन का पूरा रिकार्ड रखा जा रहा है। सवाल ये उठ रहा है कि आखिर अपने दफ्तरों के रंग रोगन का खर्चा पब्लिक से क्यों मांग रही है।

सूत्र बताते हैं कि ऐसे कई मामले सामने आ गये हैं। एक ठेकेदार ऐसा है जिससे वर्दी वाले महकमें की ईमारत में रेनोवेशन के नाम पर 25 कट्टे सीमेंट मांगे गये। एक पार्षद ऐसे हैं जिनसे टाईल की डिमांड की गई और उन्होंने ये डिमांग पूरी भी कर दी। मगर वो इस बात को 20 जगह बता भी चुके हैं। बताते हैं कि मामले केवल निर्माण वाली सामग्री पर ही नहीं रूका है। मामला तो कहीं फर्नीचर पर आ गया है तो कहीं एसी मांगा जा रहा है। जन सहभागिता का ये नया मोडिफिकेशन अब लोगों की जुबान पर आ गया है। बाजार वाले भी ये जानना चाहते हैं कि आखिर नीति क्या है। क्या ये डोनेशन की कोई नई पॉलिसी आई है तो खुलकर बताया जाये। वो इस बात को लेकर परेशान है कि मुलाजिम दफ्तरों में हुए रेनोवेशन के नाम पर डोनेशन की मांग कर रहे हैं।

व्यापार मंडल के एक नेता ने ऑफ द रिकार्ड जाकर बताया कि उन्हें एक महकमें के अधिकारी ने फोन कर अपने दफ्तर में चाय पीने के लिए बुलाया। जब वो वहां पहुंचे तो वहां पहले से दो और व्यापारी नेता बैठे थे। अफसर ने चाय पिलाई और फिर वो मुद्दे पर आ गये। बताया कि मैंने अपने ऑफिस में ये रेनोवेशन कराया है और क्या बताऊं इस पर इतना खर्चा आया है। यहां तक तो ठीक था लेकिन व्यापारी नेता को झटका तब लगा जब अफसर ने ये कहा कि ये रेनोवेशन कराने में काफी कर्ज हो गया है और फिर बातों ही बातों में ये जाहिर कर दिया कि कर्ज को चुकाना तुम्हारा फर्ज है। व्यापारी नेता हैरान हो गये और फिर मौका देखकर बाहर निकल आये। लेकिन वो हैरान हैं और इस बात पर हैरान है कि ये जनसहभागिता का कौन सा रूल है। वहीं एक दूसरा किस्सा चौकी में रेनोवेशन के नाम पर पांच पेटी की डिमांड का भी उठ रहा है।

बताते हैं कि एक टू स्टार कमेटी वालों से डोनेशन के नाम पर पांच पेटी मांग रहे थे। जब कमेटी वालों ने डोनेशन देने में आनाकानी की तो दरोगा जी ने यात्रा वाली परमीशन देने में हीला हवाली शुरू कर दी। समाजिक संस्थाओं से लेकर व्यापार मंडल के लोग अब इस बात को लेकर हैरान हैं और परेशान भी हैं कि आखिर ये डिमांड हम कैसे पूरी करें। ये कौन सा खर्चा है जो लगेगा तो दफ्तरों में और इसकी भरपाई व्यापारी और अन्य लोग करेंगे।

भाजपा पदाधिकारियों पर वोट काटने का आरोप

सपा जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने गिनाए बूथ नंबर

फॉर्म-7 के जरिये सपा समर्थक मतदाताओं के नाम हटवाने का दावा, डीएम से एफआईआर की मांग

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर ड्राफ्ट मतदाता सूची से सपा समर्थक मतदाताओं के नाम कटवाने की सुनियोजित साज़िश का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फैसल हुसैन ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग बड़ी संख्या में पहले से प्रिंट किए गए फॉर्म-7 में मतदाता का नाम और ईपिक नंबर भरकर बीएलओ के पास जमा कर रहे हैं, साथ ही बीएलओ और ईआरओ पर दबाव बनाकर वैध मतदाताओं के नाम अवैध ढंग से डिलीट कराए जा रहे हैं। उनका दावा है कि निशाने पर एक समुदाय विशेष, अल्पसंख्यक और पीडीए वर्ग से जुड़े सपा समर्थक मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि यह शिकायत समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर की गई है।

सदर विधानसभा के बूथ 63, 64 और 66 का ज़िक्र

करंट क्राइम। सपा जिलाध्यक्ष के अनुसार सदर विधानसभा क्षेत्र (56) के बूथ संख्या 63, 64 और 66 पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जमा किए जा रहे हैं, जबकि संबंधित सभी मतदाता अपने पते पर स्थायी रूप से निवास कर रहे हैं और उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में दर्ज हैं।

मुरादनगर में 20 से अधिक बूथों पर आरोप

करंट क्राइम। फैसल हुसैन ने कहा कि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र (54) के बूथ संख्या 160, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 446, 447, 448, 449, 450, 451 और 452 में भी भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा फॉर्म-7 के जरिये नाम कटवाने का संगठित प्रयास किया जा रहा है।

धौलाना में फर्जी बीएलओ बनकर गांव पहुंचने का आरोप

करंट क्राइम। सपा जिलाध्यक्ष ने धौलाना विधानसभा क्षेत्र (58) के गांव नाहल का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की आड़ में भाजपा से जुड़े लोग खुद को बीएलओ बताकर ग्रामीणों से फॉर्म-7 पर हस्ताक्षर कराने पहुंचे। उनके अनुसार मौके से पहले से भरे हुए फॉर्म-7 बरामद हुए, जिसके बाद पुलिस, नायब तहसीलदार और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई और तहरीर दी गई।

एफआईआर और चुनाव आयोग के नियमों के पालन की मांग

करंट क्राइम। फैसल हुसैन ने मांग की कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा-31 के तहत मतदाता सूची में फजीर्वाड़ा करने वाले भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार नोटिस, प्रतीक्षा अवधि और पारदर्शी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, तो यह सीधे तौर पर लोकतंत्र और मतदाता अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो समाजवादी पार्टी इसे चुनावी प्रक्रिया से जुड़ा गंभीर लोकतांत्रिक संकट मानेगी।

शिकायतों की जांच करेगा प्रशासन और चुनाव आयोग: मयंक गोयल

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा गाजियाबाद में फॉर्म-07 गलत तरीके से बांटे जाने और फर्जी तरीके से वोट बनवाने के लगाए गए आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शिकायत करना सभी का संवैधानिक अधिकार है और जो भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उनकी जांच प्रशासन और चुनाव आयोग द्वारा की जाएगी। मयंक गोयल ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जो पूरी तरह प्रशासन और चुनाव आयोग की निगरानी में हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरा प्रकरण ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित है। भाजपा महानगर अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा जिन मामलों में शिकायत की गई है, उनकी निष्पक्ष जांच होगी। जांच में यदि कोई वोट फर्जी पाया जाता है तो उसे सूची से हटाया जाएगा, वहीं जो वोट नियमानुसार बनाए गए हैं, उन्हें रोका नहीं जा सकता। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही कार्रवाई की जाएगी।

कमिश्नरेट पुलिस के लिए मंगल बना अमंगल

एंटी करप्शन की कार्रवाई से मचा हड़कंप

- थाना प्रभारी निवाड़ी गिरफ्तार, भोजपुर थानाध्यक्ष लाइन हाजिर
- फर्जी पासपोर्ट प्रकरण में भी गिरी आठ दरोगाओं पर गाज, कई थाने रडार पर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के लिए मंगलवार का दिन बेहद अमंगलकारी साबित हुआ। एक ओर जहां एंटी करप्शन टीम ने रिश्वतखोरी के आरोप में थाना प्रभारी निवाड़ी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, वहीं दूसरी ओर फर्जी पासपोर्ट प्रकरण में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष सहित कई उपनिरीक्षकों को लाइन हाजिर कर दिया गया। एंटी करप्शन टीम ने निवाड़ी थाने के इंस्पेक्टर जयपाल सिंह रावत को 50,000 की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। खास बात यह रही कि इंस्पेक्टर ने 13 जनवरी को पुलिस अधिकारियों के एक आधिकारिक ग्रुप में कार्रवाई को लेकर टिप्पणी कर यह भरोसा दिला चुके थे कि सब कुछ ठीक रहेगा, लेकिन खुद ही एंटी करप्शन की कार्रवाई का शिकार बन गए। धर, एक ही पते पर 22 से अधिक पासपोर्ट बनाए जाने के फजीर्वाड़े में परत-दर-परत खुलासे हो रहे हैं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर सख्त कार्रवाई करते हुए पहले डाक मुंशी आरक्षी दीपक कुमार को निलंबित कर विभागीय जांच बैठाई गई थी। उधर

भोजपुर के थानाध्यक्ष सचिन कुमार को लाइन हाजिर कर दिया गया है। इसके साथ ही थानाक्षेत्र की अलग-अलग चौकियों पर तैनात 8 उपनिरीक्षकों को भी लाइन हाजिर किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिन पासपोर्ट आवेदकों का सत्यापन किया गया, वे सभी एक ही पते पर दर्ज पाए गए थे और इनका सत्यापन डाक मुंशी दीपक कुमार द्वारा किया गया था। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस पूरे मामले में गंभीर स्तर की लापरवाही बरती गई।

बीते महीनों में लगातार खुल रहे भ्रष्टाचार के मामले, एंटी करप्शन की कार्रवाई यहीं नहीं रुकी

करंट क्राइम : 26 जनवरी को साहिबाबाद महिला चौकी की महिला सब इंस्पेक्टर भुवनेश्वरी सिंह को 45,000 की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। तो 12 अक्टूबर को मुरादनगर थाने से एक सब इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल को 50,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था, मामला दहेज उत्पीड़न से जुड़ा था। वहीं चौकी प्रभारी राजीव कुमार को भूमि विवाद में 50,000 के साथ दबोचा गया। नवंबर माह में क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर रमेश सिंधु को 4 लाख की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया गया था। लगातार सामने आ रही इन कार्रवाइयों से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

फर्जी पासपोर्ट प्रकरण में बड़ी कार्रवाई, कई और थाने आ सकते हैं रडार पर

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सूत्रों के अनुसार, फर्जी पासपोर्ट प्रकरण के बाद लोकल इंटेलिजेंस यूनिट और पासपोर्ट विभाग अलर्ट मोड में हैं। पुराने और नए संदिग्ध पासपोर्ट मामलों की दोबारा गहन जांच की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में कई और थानों व पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई हो सकती है। यह मामला अब सिर्फ एक थाने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

गाजियाबाद महानगर इकाई से नाराज चल रहा है कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व!

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महानगर कमेटी से बेहद नाराज चल रहे हैं। जानकारी के अनुसार महानगर इकाई की शिथिलता को देखते हुए उन्होंने महानगर इकाई के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की है। सूत्रों के अनुसार संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने महानगर इकाई से रिपोर्ट तलब की है।

संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने उन इकाइयों की सूची बनाई है जो संगठन की आशा के अनुरूप कार्य नहीं किए हैं। इस सूची में गाजियाबाद महानगर भी शामिल है। सूत्रों का कहना है कि महानगर इकाई ने अभी तक संगठन सृजन कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को नहीं भेजी है जिस कारण यह पता नहीं चल पा रहा है कि महानगर इकाई में यह कार्यक्रम कितना सफल रहा जानकारी के अनुसार संगठन सृजन कार्यक्रम को अनिवार्य बनाया गया था लेकिन महानगर इकाई की ओर से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक कार्यक्रम कर जिम्मेदारियां से इतिश्री कर ली गई। जब की अहमदाबाद कार्य समिति में फैसला लिया गया था कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा संगठन सृजन कार्यक्रम को आयोजित किया जाना है। सूत्रों के अनुसार गाजियाबाद महानगर में बूथ और ब्लॉक लेवल पर कमेटी के गठन में भी शिथिलता बरती गई है। अभी तक बूथ कमेटियों के गठन का काम पूरा नहीं हो पाया है जबकि प्रदेश नेतृत्व की ओर से यह काम नवंबर तक ही पूरा कर लिया जाना चाहिए था। विधानसभा चुनाव को नजदीक आते देख पार्टी प्रदेश नेतृत्व चुनाव की तैयारी में जुट गया है। प्रदेश नेतृत्व की ओर से प्रत्येक जिला एवं महानगर कमेटियों से बूथ कमेटियों के पूरा होने पर रिपोर्ट मांगी जा रही है।

सूत्रों का कहना है कि वार्ड लेवल पर तैयारी को लेकर भी प्रदेश नेतृत्व महानगर इकाई से नाराज चल रहा है। नगर निगम चुनाव होने में अब एक साल का समय रह गया है लेकिन वार्ड स्तर पर पुख्ता तैयारी नहीं हो पाई है पूरे 100 वार्ड की जिम्मेदारी एक कार्यकर्ता को सौंप गई है जिसे वार्ड के सभी कार्यकर्ता जानते तक नहीं है। जानकारी के अनुसार इसकी जानकारी प्रदेश नेतृत्व को दे दी गई है। प्रदेश नेतृत्व ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है।

पिछले दिनों वरिष्ठ नेता प्रदीप नरवाल गाजियाबाद आए थे उन्होंने गाजियाबाद के कई नेताओं और कार्यकताओं से फीडबैक लिए उन्हें जो फीडबैक मिला उसमें महानगर इकाई अपेक्षा के अनुरूप नहीं उतरी है। सूत्रों का कहना है कि जल्द ही महानगर इकाई के सदस्यों की बैठक कर पार्टी को मजबूत करने के लिए दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे।

संपादकीय

संघीय संतुलन की मजबूती

सोलहवें वित्त आयोग को अपना काम उल्लेखनीय निगरानी के बीच करना पड़ा। बीते दशक में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच के रिश्तों में गिरावट आई है और इसकी वजह केवल दलगत राजनीति नहीं रही है। इसके लिए व्यापक मुद्दे जिम्मेदार रहे हैं। राज्यपालों की भूमिका से लेकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन तक के व्यापक मुद्दों ने देश की संघीय संरचना को ऐसे दबाव में डाल दिया है, जैसा उसने पिछले चार दशकों में नहीं देखा था। इसलिए आयोग के सामने यह कठिन कार्य था कि सरकार के राजस्व के विभाजन से इन प्रवृत्तियों को और बढ़ावा न मिले। संसद में रविवार को प्रस्तुत इसका प्रतिवेदन स्वागत योग्य है, क्योंकि ऐसा लगता है कि उसने इस उद्देश्य को हासिल कर लिया है। आयोग ने उस सूत्र की पुन: समीक्षा की है जिसके आधार पर बांटे जा सकने लायक कोष के तहत कर की गणना की जाती है, और इसमें ह्यसकल घरेलू उत्पाद में योगदान को एक कारक के रूप में शामिल किया है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कुछ दक्षिणी राज्यों, जिनमें कर्नाटक शामिल है, तथा पश्चिमी तट के अधिक विकसित राज्यों, जैसे गुजरात, का हिस्सा वास्तव में बढ़े। राज्य सरकारें लंबे समय से यह तर्क देती रही हैं कि उनके लिए नीतिगत प्रयोग और स्वायत्तता की गुंजाइश लगातार कम होती जा रही है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) एक आवश्यक सुधार था, लेकिन इसने निस्संदेह उनकी राजकोषीय स्वायत्तता को कम कर दिया। इस बीच, जो राजस्व उनके पास उपलब्ध रहा, उसका बड़ा हिस्सा उन योजनाओं के वित्तपोषण और क्रियान्वयन में खर्च हुआ जो केंद्र सरकार द्वारा तैयार और चुनी गई थीं और जिनका राजनीतिक श्रेय स्थानीय नेताओं को नहीं मिलता। इस समय उनके संसाधनों में कमी करना इसलिए एक खतरनाक कदम होता। सोलहवें वित्त आयोग ने बांटे जा सकने वाले कर पूल में राज्यों का हिस्सा 41 फीसदी बनाए रखा है, जो पिछले वित्त आयोग द्वारा तय स्तर के बराबर ही है। लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि यह हिस्सा उस कोष से लिया जाता है जो वास्तव में जितना होना चाहिए उससे छोटा है, क्योंकि केंद्र सरकार अब ज्यादा से ज्यादा विभिन्न उप करों का सहारा लेती है, जो कर माने जाते हैं लेकिन जिन्हें वह पूरी तरह अपने पास रख सकती है। इस प्रकार आयोग की सिफारिशें राज्यों की ज्यादा हिस्सेदारी की मांगों को खत्म नहीं करेंगी, लेकिन इससे शायद नाइंसाफी की शिकायतों को रोका जा सकेगा। राज्यों की सीमित नीतिगत स्वतंत्रता शायद उन कारणों में से एक है जिसकी वजह से राज्य ऋण फिर से व्यापक स्तर पर चिंता का विषय बनने लगा है। आयोग ने राज्य सरकारों द्वारा बजट से इतर ऋण लेने की प्रवृत्ति को रोकने का आग्रह किया है। राजकोषीय घाटे को सकल राज्य घरेलू उत्पाद यानी जीएसडीपी के लगभग 3 फीसदी पर नियंत्रित करना एक बड़ा सुधार था, और इससे बचने के लिए किसी भी प्रकार के शॉर्टकट को अपनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। बजट से बाहर उधार लेने से और भी जटिलताएं उत्पन्न होती हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: टैरिफ में राहत से निवेश निर्यात और मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा नया प्रोत्साहन

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से टैरिफ में राहत और नीति स्थिरता का संकेत मिला है, जिससे निवेश, निर्यात और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उद्योग जगत इसे भरोसा बढ़ाने वाला कदम मान रहा है और एफआईआई की वापसी से बाजारों में सकारात्मक माहौल बनने की संभावना जताई जा रही है। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को लेकर उद्योग जगत और नीति-निमार्ताओं में उत्साह है। उद्योग लीडर्स का कहना है कि यह समझौता न सिर्फ भारत की विकास आकांक्षाओं को गति देगा, बल्कि देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन हब बनाने के लक्ष्य को भी मजबूती देगा।

द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंध होंगे मजबूत

महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर अनिश शाह ने इस समझौते का स्वागत करते हुए इसे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास पथ पर है और यह डील विकास को अतिरिक्त गति देगी। शाह के मुताबिक, भारतीय निर्यात पर अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करना और आगे चलकर टैरिफ व गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने की प्रतिबद्धता, निवेश के लिए जरूरी स्थिरता और भरोसा बढ़ाएगी।

डॉलर के मुकाबले 1.90 मजबूत हुआ रुपया
भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद आई तेजी

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत टैरिफ घटकर 18% होने से रुपये में तेज मजबूती आई और यह डॉलर के मुकाबले 119 पैसे चढ़कर 90.30 पर खुला। इस कदम से भारत की सापेक्ष स्थिति मजबूत हुई है और एफआईआई की वापसी की उम्मीद बढ़ी है।

विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने कहा कि यह कदम भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों में भरोसा बढ़ाएगा। उन्होंने इसे विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप बताया। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि शोर थमने के बाद दो स्वाभाविक साझेदार एक-दूसरे के करीब आते हैं, जो इस समझौते की अहमियत को दशार्ता है।

दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक रिश्ते होंगे मजबूत

आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला ने भी कहा कि टैरिफ में कमी से दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक रिश्ते और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में सबसे बड़े भारतीय निवेशक के तौर पर उनका समूह इस समझौते को सप्लाई चेन को मजबूत करने, मैन्युफैक्चरिंग के नए अवसर खोलने और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने वाला मानता है। बिरला ने साफ किया कि समूह अमेरिका में अपने निवेश और मौजूदगी को और विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है।

निवेश के नए अवसर खुलेंगे : आर्थिक कार्य विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अंतिम रूप लेने से अनिश्चितता दूर हुई है और निवेश के नए अवसर खुलेंगे। हालांकि, अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलने को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर अभी कोई स्पष्टता नहीं है और समय के साथ स्थिति साफ होगी। भारतीय शेयर बाजारों में वापसी की उम्मीद भी बढ़ी है।

दिसंबर की उड़ान अव्यवस्था पड़ी महंगी इंडिगो ने यात्रियों को दिए 22.68 करोड़ रुपये मुआवजा

नई दिल्ली। दिसंबर में फ्लाइट्स रद्द और लेट होने के कारण इंडिगो ने यात्रियों को 22.68 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया। राज्यसभा में सरकार ने इससे जुड़े आंकड़े पेश किए।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को दिसंबर महीने में उड़ानों की भारी अव्यवस्था काफी महंगी पड़ी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इंडिगो ने यात्रियों को मुआवजे और सुविधाओं के तौर पर अकेले 22.68 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

यह भारी-भरकम रकम उन यात्रियों को दी गई है जिन्हें फ्लाइट कैंसिल होने, उड़ानों में देरी होने या बोर्डिंग से मना किए जाने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। सरकार ने सदन को बताया कि दिसंबर में सभी घरेलू एयरलाइनों ने कुल मिलाकर 24 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक मुआवजा दिया, जिसमें से सबसे बड़ा हिस्सा अकेले इंडिगो की जेब से गया है।

इंडिगो के लिए यह संकट दिसंबर की शुरूआत में गहराया था, जब 3 से 5 दिसंबर के बीच उसकी 2,507 उड़ानें रद्द हुईं और 1,800 से ज्यादा लेट हुईं, जिसका असर 3 लाख से अधिक यात्रियों पर पड़ा था। हालात इतने बिगड़ गए थे कि डीजीसीए को एयरलाइन के विंटर शेड्यूल में 10% की कटौती तक करनी पड़ी थी।

मुआवजे के मामले में दूसरी एयरलाइंस इंडिगो के मुकाबले काफी पीछे रहीं; जहां टाटा समूह की एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मिलकर करीब 74.61 लाख रुपये चुकाए, वहीं स्पाइसजेट ने 40.09 लाख रुपये और अकासा एयर ने 21.06 लाख रुपये का भुगतान किया।

रोचक तथ्यों का करंट

- यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो पिस्ता खाना शुरू कर दें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइवर जल्दी भूख नही लगने देते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल को कम करता है और गुड एलडीएल को बढ़ाता है। यह मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाकर दिल को मजबूत बनाए रखता है।
- इसमें मौजूद विटामिन बी 6 खून में ऑक्सीजन ले जाता है। प्रतिदिन इसके सेवन से खून में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है व हीमोग्लोबिन भी बढ़ता है।
- इसमें विटामिन-ई और वसा युक्त घुलनशील एन्टी-ओक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करते हैं।
- पिस्ता में मौजूद कैल्शियम, मैग्नेशियम और पोटेसियम हड्डियों को मजबूत करते हैं और हड्डी से संबंधित बीमारी को भी रोकते हैं।
- रोजाना एक कप पिस्ता आवश्यक फॉस्फोरस की 60 फीसदी जरूरत को पूरा करता है। यह डायबिटीज से भी बचाता है। भुना हुआ पिस्ता न खाएं, क्योंकि इसमें सोडियम अधिक होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: टैरिफ घटाने पर संसद में बयान दे सकते हैं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अहम बातचीत के बाद वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल मुंबई से दिल्ली लौट रहे हैं और मंगलवार को संसद में बयान दे सकते हैं। समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% करने का फैसला किया है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से टैरिफ को लेकर लिए गए एलान पर संसद में जानकारी दे सकते हैं। मुंबई से दिल्ली लौट रहे गोयल से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वह मंगलवार को संसद में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बयान दे सकते हैं। अमेरिकी ने भारत पर लगे टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं। इसके तहत वाशिंगटन भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा।

इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि उन्हें इस बात की खुशी है कि मेड इन इंडिया उत्पादों पर अब 18 प्रतिशत का कम शुल्क लगेगा। उन्होंने कहा कि इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 140 करोड़ जनता की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को बहुत-बहुत धन्यवाद।

2026-27 का बजट: उन्नत तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात के सहारे विकसित भारत 2047 की ओर कदम

नई दिल्ली। चीन और अमेरिका इस समय निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के केंद्र बने हुए हैं। चीन सामान्य उपभोग की वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात का वैश्विक केंद्र बना हुआ है तो अमेरिका और यूरोप के कुछ देश तकनीक, मशीन और युद्ध सामग्री के निर्यातक के रूप में अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। भारत अब तक अपनी आंतरिक खपत, खाद्यान्न प्रसंस्कृत उत्पादों और सेवाओं के निर्यात से एक मजबूत अर्थव्यवस्था बना हुआ है। लेकिन 2026-27 का बजट यह बताता है कि भारत अब मूलभूत वस्तुओं-सेवाओं के निर्यात के साथ-साथ उन्नत तकनीक पर आधारित वस्तुओं के उत्पादन-निर्यात पर आधारित व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। निर्मला सीतारमण द्वारा पेश नौवां बजट उसी औद्योगिक ढांचे को विश्वसनीय मजबूती प्रदान करने की कोशिश करता हुआ दिखाई दे रहा है। बजट में औद्योगिक उत्पादन के लिए आवश्यक वस्तुओं, मशीनों, कलपुर्जों और तकनीक के आयात पर इम्पोर्ट ड्यूटी शून्य से लेकर दस प्रतिशत के बीच कर दी गई है। सरकार का यह कदम देश में रक्षा उत्पादों, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के उत्पादन के लिए सहायक होगा। केंद्र सरकार लगातार देश को रक्षा उत्पादों के एक वैश्विक निर्यातक के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रही है। इससे यह समझ आता है कि सरकार का विजन ही बजट में कानूनी प्रावधानों के रूप में उभर कर सामने आया है।

आज घरेलू उपभोग की छोटी-छोटी वस्तुओं से लेकर कारों-वायुयानों और उपग्रह निर्माण तक में जिस तरह सेमीकंडक्टर चिप्स का उपयोग बढ़ रहा है, कोई भी देश चिप्स के लिए चीन जैसे प्रतिद्वंदी देश पर निर्भर नहीं रह सकता। बजट में देश को इस सेक्टर में मजबूत बनाकर देश को रणनीतिक मजबूती देने की कोशिश की गई है। क्लाउड कंप्यूटिंग और डाटा सेंटरों के भारत में सेंटर निर्माण करने पर विदेशी कंपनियों को 2047 तक टैक्स हॉलीडे प्रदान करना भी सरकार की उसी नीयत को स्पष्ट करता है जिसके अंतर्गत वह महत्त्वपूर्ण सेक्टरों में देश को मजबूत करना चाहती है।

जफर इस्लाम ने कहा कि यह बजट नेशन बिल्डिंग का बजट है। भारत की अर्थव्यवस्था को आंतरिक घरेलू खपत ने मजबूत आधार प्रदान किया है।

2047 का विकसित भारत बनाने वाला बजट- भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जर्मनी की ड्यूश बैंक की भारतीय इकाई के पूर्व प्रबंध निदेशक जफर इस्लाम ने अमर उजाला से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को 2047 में एक विकसित देश बनाने की बात करते रहे हैं। वर्तमान बजट देश को उसी दिशा में ले जाने का एक रोड मैप दिखाई देता है। लेकिन कोई भी देश औद्योगिक उत्पादन का केंद्र बने बिना विकसित अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता। यह बजट देश को सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्माण की एक वैश्विक इकाई के रूप में विकसित करने का फ्रेम वर्क प्रदान करता है।

राशिफल

मेष: दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। वाणी पर संयम रखें।

वृष: व्यावसायिक लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए काम प्राप्त होंगे। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लॉटरी-सट्टे से दूर रहें।

मिथुन: किसी भी प्रकार से धनहानि के योग हैं। लापरवाही न करें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है।

कर्क: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरे आपकी बात मानेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। चोट लग सकती है।

सिंह: किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं।

कन्या: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। यात्रा सफल रहेगी। कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में अटके काम अनुकूल रहेंगे।

तुला: दुष्टजनों से सावधान रहें। वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी आवश्यक है। शारीरिक हानि की आशंका है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृश्चिक: दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। चोट लग सकती है।

धनु: ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय हो सकता है। प्रतिद्वंद्वी रास्ता छोड़ देंगे। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मकर: व्यस्तता के चलते थकान रह सकती है। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

कुंभ: वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में तनाव रह सकता है। समय पर कार्य न होने से क्षोभ उत्पन्न होगा। कोई दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मीन: लेन-देन में सावधानी रखें। आय में वृद्धि होगी। पहले की गई मेहनत का फल मिलेगा। समाजसेवा करने की इच?छा जागृत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

चुटकुले

औरतों का दिल सही मायनों में कब टूटता है?
जब वो अपने जैसे प्रिंट का सूट
मोहल्ले की काम वाली को पहने देखती हैं!

पत्नी ने एक दिन अपने पति का मोबाइल चेक किया तो
उसमें कुछ इस तरह नाम सेव थे...
आंखों का इलाज
दिल का इलाज
पत्नी ने गुस्से में अपना नंबर डायल किया, तो
आया 'ला-इलाज'!

पापा- बेटा तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ?
चिंटू- पापा 80% आए हैं.
पापा- लेकिन मार्कशीट पर तो सिर्फ 40% लिखा है?
चिंटू- बाकी के 40% आधारकार्ड लिंक होने पर सीधे
अकाउंट में आएंगे.
दे चप्पल, दे चप्पल, दे चप्पल!

04 02 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

भारत ने 2 बार जीता टी-20 विश्व कप, चार बार खिलाड़ी बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप के इतिहास में भारत का योगदान बेहद खास रहा है। भारत ने दो बार खिताब जीता, चार बार उसके खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने और कई फाइनल मुकाबलों में भारतीय सितारों ने हीरो बनकर टीम को गौरव दिलाया। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी इस फॉर्मेट में भारत की पहचान बन चुके हैं। आने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय फैंस को ऐसे ही ऐतिहासिक प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

आईसीसी टी20 विश्वकप की शुरूआत साल 2007 में हुई थी। पहला संस्करण दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था। तब से साल 2024 तक नौ संस्करण खेले जा चुके हैं। देखते ही देखते यह टूर्नामेंट क्रिकेट की दुनिया का सबसे रोमांचक और लोकप्रिय फॉर्मेट बन गया। छोटे ओवर, तेज रफ्तार और हर गेंद पर बदलता मैच का रुख, यही टी20 की पहचान है। भारत उन चुनिंदा टीमों में शामिल रहा है, जिसने इस फॉर्मेट में न सिर्फ खिताब जीते बल्कि व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी गहरी छाप छोड़ी।

टी-20 विश्व कप 2026 की शुरूआत सात फरवरी से होने जा रही है। यह टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। भारत ने अब तक 2007 और 2024 में, यानी दो बार टी20 विश्वकप का खिताब अपने नाम किया है। 2024 में वेस्टइंडीज में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर भारत ने 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी सूखा भी खत्म किया था।

कितनी बार भारतीय बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट?

टी20 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटका अवॉर्ड पूरे टूर्नामेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। इस मामले में भारतीय खिलाड़ी सबसे आगे रहे हैं। अब तक तीन बार भारतीय खिलाड़ियों ने यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है:

विराट कोहली- 2014
विराट कोहली- 2016
जसप्रीत बुमराह- 2024

विराट कोहली टी20 विश्वकप इतिहास के इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने का गौरव हासिल किया। 2014 में उन्होंने भारत को लगभग अकेले दम पर फाइनल तक पहुंचाया, जबकि 2016 में उनकी कई बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत सेमीफाइनल तक पहुंचा था।

किस देश के खिलाड़ी सबसे ज्यादा बार फाइनल के मैन ऑफ द मैच बने

देश	प्लेयर ऑफ द फाइनल बनने की संख्या
वेस्टइंडीज	2 बार
भारत	2 बार
इंग्लैंड	2 बार
पाकिस्तान	1 बार
श्रीलंका	1 बार
ऑस्ट्रेलिया	1 बार

टी-20 विश्वकप फाइनल में भारत के हीरो

2007 में इरफान पठान ने की थी घातक गेंदबाजी, भारत जब-जब टी20 विश्वकप फाइनल में पहुंचा, वहां कुछ खिलाड़ियों ने यादगार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। दक्षिण अफ्रीका में खेले गए पहले टी20 विश्वकप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराया। उस मुकाबले में इरफान पठान को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। गेंद से उनका योगदान भारत की जीत की नींव बना। उस मैच में पठान ने नाबाद तीन रन बनाए थे, जबकि गेंद से उन्होंने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके थे। पठान ने शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी और यासिर अराफात को आउट किया था। 2024 के फाइनल में विराट कोहली को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि जसप्रीत बुमराह पूरे टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने।

पेरिस के होटल में जाते दिखे लुईस हैमिल्टन और किम कर्दाशियन

पेरिस। किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन को पेरिस के एक होटल में लगभग साथ पहुंचते हुए देखा गया, जिसके बाद दोनों के डेटिंग में होने की अटकलें तेज हो गई हैं। इंग्लैंड में साथ समय बिताने, पेरिस की तस्वीरों और वीडियो ने इन चचाओं को और मजबूत किया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी रिश्ते को लेकर आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

रियलिटी टीवी स्टार और बिजनेसवुमन किम कर्दाशियन और फॉर्मूला वन के दिग्गज ड्राइवर और सात बार के चैंपियन लुईस हैमिल्टन को हाल ही में पेरिस में एक ही होटल में पहुंचते हुए देखा गया है। इस घटना के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया और इंटरनेशनल मीडिया में चचाएं तेज हो गई हैं। पेरिस में उनकी यह मौजूदगी इंग्लैंड में साथ समय बिताने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है, जिसने इन अटकलों को और हवा दे दी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ड्यूक्यमोई द्वारा साझा की गई तस्वीरों में किम और हैमिल्टन को पेरिस में होटल के बाहर देखा गया। दोनों ने खुद को लो-प्रोफाइल रखने की कोशिश की। किम कर्दाशियन काले रंग के ट्रेंच कोट और बड़े सनग्लासेस में नजर आईं, जबकि लुईस हैमिल्टन ऑल-ब्लैक आउटफिट के साथ ग्रे शॉल में दिखाई दिए।

टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और भारत हैं मजबूत टीम

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप को लेकर कयासों का बाजार गर्म हो चुका है। फैंस जानना चाहते हैं कि कौन सी टीम मजबूत है और कौन आंकड़ों में हावी है। इसी कड़ी में हम आपको वो आठ मापदंड बता रहे हैं, जिसके आधार पर हमने टीमों की तुलना की और जाना कि उनमें कौन सी टीम सबसे मजबूत है।

टी-20 विश्व कप के 10वें संस्करण की शुरूआत सात फरवरी से होने जा रही है। कुल 20 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। बांग्लादेश के बाहर होने और पाकिस्तान के ड्रामे के बीच यह टूर्नामेंट सुर्खियों में है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले ग्रुप मैच को खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान को शायद भारत के खिलाफ विश्व कप में एक और हार का डर सता रहा है, यही वजह है कि उसने मैच के बहिष्कार का रास्ता चुना।

1. टी-20 विश्व कप का खिताब सबसे ज्यादा बार

अब तक खेले जा चुके नौ संस्करणों में तीन टीमों ने दो-दो बार खिताब जीता है। इनमें वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और भारत शामिल हैं। टीम इंडिया मौजूदा डिफेंडिंग चैंपियन भी है।

2. टी20 में सबसे ज्यादा 200+ के स्कोर

आदर्श रूप से क्रिकेट को बल्ले और गेंद के बीच संतुलन का खेल माना जाता है, लेकिन टी20 क्रिकेट आधुनिक दौर का ऐसा प्रारूप बन चुका है, जहां बल्लेबाजों का दबदबा साफ तौर पर नजर आता है। लगातार छक्के लगाना और बड़े स्कोर खड़े करना अब किसी भी मजबूत टीम की पहचान बन चुका है।

3. टी20 में सबसे ज्यादा बार सफल 200+ रन का चेज

क्रिकेट में पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना अक्सर आसान माना जाता है, क्योंकि उस समय स्कोरबोर्ड का दबाव नहीं होता, लेकिन दूसरी पारी में बड़े लक्ष्य का पीछा करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है।

4. टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत वाली टीम

अब तक खेले गए नौ टी20 विश्व कप में शीर्ष-आठ की लगभग सभी टीमों ने 45 से 55 मुकाबले खेले हैं। इन सभी टीमों के प्रदर्शन की तुलना करें तो टीम इंडिया का जीत प्रतिशत सबसे बेहतर रहा है। भारत ने 52 मैचों में से 35 मुकाबले जीते, जिससे उसका जीत प्रतिशत लगभग 67 प्रतिशत बनता है। इस मामले में भारत सभी टीमों से आगे है।

5. टी20 में सबसे बेहतरीन जीत प्रतिशत वाली टीमें

विश्व कप की तरह ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी टीम इंडिया ने अपनी दबदबा बनाए रखा है। दुनिया की सभी शीर्ष टीमों ने अब तक 200 से अधिक टी20 मुकाबले खेले हैं, लेकिन इनमें केवल भारत ही ऐसी टीम है, जिसका जीत प्रतिशत 60 प्रतिशत से ऊपर है।

6. टी20 में विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत

क्रिकेट में विदेशी जमीन पर जीत हासिल करना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती माना जाता है, लेकिन इस मामले में भी टीम इंडिया सबसे आगे नजर आती है। भारत न सिर्फ इस सूची में नंबर-एक स्थान पर है, बल्कि टीम ने विदेशी जमीन पर खेले गए 165 मैचों में से 66 प्रतिशत मुकाबले जीतकर रिकॉर्ड कायम किया है। यह आंकड़ा भारत की निरंतरता और मजबूती को साफ तौर पर दर्शाता है।

7. टी20 में घरेलू मैदान पर सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत

आमतौर पर माना जाता है कि घरेलू मैदान पर मैच जीतना विदेशी दौरों की तुलना में आसान होता है, लेकिन टी20 क्रिकेट के नए दौर में ऐसा कहना अब मुश्किल हो गया है। इस बार विश्व कप भारत और श्रीलंका में आयोजित होना है, और ऐसे में घरेलू प्रदर्शन की अहमियत और भी बढ़ जाती है।

8. टी20 में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत शतक किस टीम से लगे?

टी20 क्रिकेट अब पूरी तरह से बल्लेबाजों का खेल बन चुका है। इस फॉर्मेट में शतक लगाना अब पहले जितना मुश्किल नहीं रहा, और लगभग हर दूसरे या तीसरे मुकाबले में कोई न कोई बल्लेबाज शतक जड़ता नजर आता है। इसके बावजूद, इस विभाग में भी टीम इंडिया के बल्लेबाज सबसे आगे हैं।

टी-20 विश्व कप से क्यों बाहर हुए पैट कमिंस? टेस्ट क्रिकेट को बताई वजह

मेलबर्न। कमिंस को हालांकि उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होने की इच्छा से भी प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे के कप्तान कमिंस पीठ की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा।

कमिंस ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।'

उन्होंने कहा, 'एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन अभी-अभी एक स्कैन करवाया है और चिकित्सकों का मानना है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे। इसलिए समय की थोड़ी कमी पड़ गई।'

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का व्यस्त कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, जब वह डार्विन और मैकाय में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और वनडे के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। कमिंस ने कहा, 'हमने सोचा कि आगामी सत्र में क्रिकेट मैचों की संख्या को देखते हुए साल के पहले छह महीने में संयम बरतना काफी अच्छा रहेगा। चोट ठीक हो जाएगी और इसको लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।

भारत एशियाई ओलंपिक क्वालिफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार ने कहा, 'यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नई दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।'

भारत अगले साल दिल्ली में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की। एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने पत्र में कहा, 'हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।' पत्र में कहा गया है, 'हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।' एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार ने कहा, 'यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है।

क्या पाकिस्तान से 2,288 करोड़ रुपये वसूलेगा आईसीसी

भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलना पीसीबी को पड़ेगा भारी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंट की आर्थिक रीढ़ माना जाता है। टी20 विश्व कप में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी, प्रसारकों और खुद पाकिस्तान को अरबों रुपये का नुकसान हो सकता है। जहां भारत को वॉकओवर से अंक मिल सकते हैं, वहीं पाकिस्तान पर आर्थिक जुमार्ने और वैश्विक आलोचना का खतरा मंडरा रहा है। हाइब्रिड मॉडल की मौजूदगी के बावजूद बहिष्कार की राजनीति क्रिकेट से कहीं आगे की कहानी बयां कर रही है।

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं होता, बल्कि यह वैश्विक खेल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक, किसी भी आईसीसी इवेंट में भारत-पाकिस्तान मैच से करीब 25 करोड़ डॉलर (2288 करोड़ रुपये से अधिक) का राजस्व पैदा होता है।

ऐसे में आगामी टी20 विश्व कप में अगर यह मुकाबला नहीं होता है, तो इसका असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आईसीसी, प्रसारकों और क्रिकेट बोर्डों की जेब पर सीधा पड़ेगा। हालांकि, आईसीसी पहले ही कह चुका है कि पीसीबी अगर नहीं खेलता है तो उसे इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। आईसीसी इस मैच के नहीं होने से होने वाले नुकसान की भरपाई पीसीबी से कर सकता है। ऐसे में पीसीबी पर बड़ा आर्थिक खतरा मंडरा रहा है।

तनावपूर्ण रिश्ते, लेकिन ग्रुप में साथ क्यों?

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट लंबे समय से बंद है। दोनों टीमें केवल आईसीसी या एशिया कप जैसे बहु-टीम टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होती हैं। बावजूद इसके, इस मुकाबले का रोमांच इतना जबरदस्त होता है कि आईसीसी लगभग हर वैश्विक टूर्नामेंट में दोनों देशों को जानबूझकर एक ही ग्रुप में रखता है, ताकि दर्शकों और विज्ञापनदाताओं की दिलचस्पी बनी रहे।

पाकिस्तान के बहिष्कार की घोषणा और नया विवाद

इस पूरे मामले ने तब गंभीर मोड़ ले लिया जब पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में प्रस्तावित भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बहिष्कार की घोषणा कर दी। अगर पाकिस्तान अपने फैसले पर अड़ा रहता है, तो उसे ही सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की सालाना आय और इस एक मैच की कीमत में जमीन-आसमान का अंतर है।

प्रसारकों पर सबसे बड़ा वार, जियोस्टार को झटका

भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने की स्थिति में आईसीसी के साथ-साथ भारतीय मीडिया अधिकार धारक जियोस्टार को भी भारी नुकसान हो सकता है। बताया जा रहा है कि इस मुकाबले से 200 से 250 करोड़ रुपये तक का विज्ञापन राजस्व आता है। इस मैच के दौरान 10 सेकंड के विज्ञापन स्लॉट की कीमत करीब 40 लाख रुपये तक होती है।

वॉकओवर से अंक मिलेंगे, लेकिन जुमार्ना तय

अगर पाकिस्तान इस मुकाबले में नहीं उतरता है और वॉकओवर की स्थिति बनती है, तो भारत को पूरे अंक जरूर मिल जाएंगे। हालांकि, आईसीसी के पास अब भी पीसीबी पर वित्तीय जुमार्ना लगाने का अधिकार रहेगा। यह फैसला आईसीसी की उस नीति के अनुरूप होगा, जिसमें चयनात्मक भागीदारी को टूर्नामेंट की भावना के खिलाफ माना जाता है।

भारत से हारने का डर, इसलिए बॉयकॉट का बहाना? मैच से पहले ही पाकिस्तान का गेम ओवर!

नई दिल्ली। संजय मांजरेकर का बयान सिर्फ एक राय नहीं, बल्कि दो दशकों के आईसीसी आंकड़ों और मौजूदा क्रिकेटिंग सच्चाई का निचोड़ है। भारत-पाकिस्तान राइवलरी अब बराबरी की नहीं रही। पाकिस्तान की गिरती ताकत और भारत का बढ़ता दबदबा इस बहस के केंद्र में है। भारत के खिलाफ मैच से बचने या बॉयकॉट की बातें दरअसल उसी डर की उपज हैं, जिसे आंकड़े और प्रदर्शन दोनों उजागर कर चुके हैं।

टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस चार दिन का वक्त रह गया है। सात फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी से शुरू हुआ ड्रामा अब भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार पर आकर रुक गया है। भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर पाकिस्तान अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहा है। साथ ही 21वीं सदी में पाकिस्तान का आईसीसी टूर्नामेंट्स भी भारत के खिलाफ रिकॉर्ड यह बताता है कि पड़ोसी मुल्का का भारत से खेलने का डर जायज है।

भारत के खिलाफ लगातार हार से डरा पाकिस्तान

टीम इंडिया के खिलाफ लगातार हार ने उन्हें डरा दिया है और यही वजह है कि उसने बॉयकॉट का रास्ता अपनाया। अगर मैच ही नहीं होगा तो उनकी अपने मुल्क में थू-थू नहीं होगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और दिग्गज कमेंटेटर संजय मांजरेकर के हालिया वीडियो ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट बहस को फिर से गर्म कर दिया है। वीडियो में मांजरेकर का साफ कहना है कि अब पाकिस्तान भारत के खिलाफ खेलने से कतरा रहा है, और इसकी वजह कोई राजनीति नहीं बल्कि खेल का डर है। मांजरेकर के शब्दों में, 'सच्चाई ये है कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हराना अब उनके लिए असाधारण चुनौती बन चुका है।' भारत के खिलाफ मैच से बचने या बॉयकॉट की बात करना दशार्ता है कि पाकिस्तान खेल के मैदान में जवाब देने के बजाय बहाने तलाश रहा है।

मांजरेकर ने 'महामुकाबले' पर सवाल खड़े किए: भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले को वर्षों से महामुकाबला कहा जाता रहा है, लेकिन मांजरेकर ने इस धारणा पर सीधा सवाल खड़ा कर दिया है। मांजरेकर का कहना है कि अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं भी होता है, तो इससे न टूर्नामेंट की वैल्यू घटती है और न ही भारतीय क्रिकेट को कोई नुकसान होता है। मांजरेकर के शब्दों में, 'अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है, तो कोई बड़ी बात नहीं है। सच कहूं तो काफी समय से असली मैच, मैच से पहले होने वाले हाइप और ड्रामे के आसपास भी नहीं पहुंच पाता।'

'भारत और पाकिस्तान अब क्रिकेट में एक स्तर पर नहीं': मांजरेकर का सबसे तीखा हमला इसी बिंदु पर है। उन्होंने साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान अब क्रिकेट के एक ही स्तर पर नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'इसका कारण बिल्कुल साफ है। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट के मैदान पर अब एक ही स्तर पर नहीं हैं। 90 के दशक में और उससे पहले दोनों के बीच क्रिकेट में मुकाबला मजेदार होता था, क्योंकि पाकिस्तान एक मजबूत टीम हुआ करती थी, लेकिन अब नहीं।' यह बयान भावनात्मक नहीं, बल्कि आंकड़ों और मौजूदा हालात पर आधारित नजर आता है।

'भारत की जीत अब आदत सी लगती है'

संजय मांजरेकर ने अपने बयान में सबसे चर्चित तुलना भी की। उन्होंने कहा, 'आज जब भारत पाकिस्तान को हराता है, तो ऐसा लगता है जैसे भारत किसी कमजोर टीम को हरा रहा हो।' यह बात भले ही पाकिस्तान समर्थकों को चुभे, लेकिन पिछले दो दशकों के आईसीसी टूर्नामेंट रिकॉर्ड इस सोच को मजबूत करते हैं।

वनडे विश्व कप, टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, तीनों बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड बेहद एकतरफा रहा है। टी20 और वनडे, दोनों तरह के विश्व कप को मिलाकर भारत का पाकिस्तान के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-1 का है। साल 2001 से अब तक, दोनों टीमों के बीच नडे विश्व कप, टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी को मिलाकर 19 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से पाकिस्तान सिर्फ चार मैच जीता है। 15 में उसे मुंह की खानी पड़ी है।

भारत की अनाहत ने पीएसए कांस्य स्तर का खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने आन फायर ओपन में शानदार प्रदर्शन किया। अनाहत ने दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी इंग्लैंड की जॉर्जिना केनेडी को मात दी।

भारतीय युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी इंग्लैंड की जॉर्जिना केनेडी को 12-10, 11-5, 11-7 से हराकर वॉशिंगटन में पीएसए कांस्य स्तर का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज 15 वर्ष की अनाहत ने स्क्वाश आन फायर ओपन जीता जो उनके कैरियर का 15वां खिताब है।

जीत के बाद अनाहत ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैं इन टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहती थी। मुझे खुशी है कि ऐसा कर सकी। यह जीत 15 वर्षीय अनाहत के करियर का सबसे बड़ा खिताब है और पीएसए टूर पर उनका

कुल 15वां खिताब है जो उन्होंने मात्र 26 टूर्नामेंटों में हासिल किया। दिल्ली की यह खिलाड़ी फिलहाल विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर है। सातवीं वरीयता प्राप्त अनाहत पिछले मुकाबले में केनेडी से हार गई थीं। उन्होंने फाइनल में अद्भुत संयम दिखाया। 8-10 से पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीतकर उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया और उसके बाद मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया।

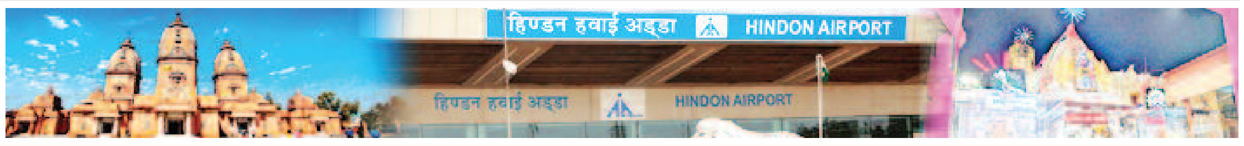

सौरभ चौधरी का शुभ विवाह सलोनी के साथ हुआ धूमधाम से सम्पन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय लोकदल के सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बिट्टी के भतीजे तथा समरजीत सिंह बिट्टी के पुत्र सौरभ का शुभ विवाह मोदीपुरम निवासी अनिल चौधरी की सुपुत्री सलोनी के साथ धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर सौरभ और सलोनी को शुभकामनाएं, बधाई और शुभकामनाएं देने के लिए समाज के गणमान्य लोग पहुंचे। इस अवसर पर बिट्टी परिवार की ओर से अमरजीत सिंह तथा समरजीत सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया।

शब-ए-बारात पर शहीद नगर कब्रिस्तान हुआ रोशन
पार्षद खुर्शीदा कल्लन के प्रयासों से लगीं दो हाईमास्क लाइटें

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शब-ए-बारात के मुकद्दस मौके पर जायरीन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहीद नगर (वार्ड-34) में विकास कार्यों को गति दी गई है।

नगर निगम पार्षद खुर्शीदा कल्लन के अथक प्रयासों से मंगलवार को शहीद नगर कब्रिस्तान में दो नई हाईमास्क लाइटें लगवाई गईं, जिससे अब पूरा परिसर दूधिया रोशनी से सराबोर रहेगा। लाइटें लगने से कब्रिस्तान आने-जाने वाले लोगों को होने वाली अंधेरे की समस्या अब दूर हो गई है। इस पहल पर कब्रिस्तान कमेटी के पदाधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने पार्षद खुशीर्दा कल्लन का आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि त्योहारों के समय इस तरह के जनहित के कार्य सराहनीय हैं।

इस अवसर पर हाजी मोहम्मद कल्लन, मोहम्मद अली अल्वी, हाजी मजीद कुरैशी और हकीम यूसुफ सैफी, डॉ. नसीरुद्दीन इद्रीसी एवं हाजी चौधरी गफूरा, वरिष्ठ समाजसेवी ताजीन मंसूरी, मोहम्मद शरीफ अल्वी, कबीरा चौधरी, अजीज अंसारी, दानिश मंसूरी, नोमान मंसूरी एवं मोहम्मद अजीम मंसूरी आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम मेधा रूपम की अध्यक्षता में शासकीय अधिवक्ताओं की मासिक समीक्षा बैठक

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के शासकीय अधिवक्ताओं के अभियोजन कार्यों को लेकर मंगलवार को डीएम मेधा रूपम की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान पॉक्सो, गैंगस्टर एवं अभियोजन से संबंधित सभी प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि अपराधियों के प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा उनकी अद्यतन सूची उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन प्रकरणों में दोषमुक्ति हो चुकी है, उनकी रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराई जाए, ताकि मासिक बैठकों में ऐसे प्रकरणों पर अपील किए जाने के संबंध में निर्णय लिया जा सके। उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं से अपेक्षा की कि अभियोजन कार्यों को सुनियोजित ढंग से संपादित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक वादों का निस्तारण शासन के हित में सुनिश्चित हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे के अलावा जनपद के सभी शासकीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

चौथी मंजिल की पानी की टंकी पर चढ़ी किशोरी को दमकल कर्मियों ने जान पर खेलकर बचाया

गाजियाबाद, करंट क्राइम : जब आधा शहर गहरी नींद में था, तब पुलिस और दमकल कर्मी एक किशोरी की ज़िंदगी बचाने में जुटे थे। खोड़ा कॉलोनी के लाल मंदिर क्षेत्र में मंगलवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 16 वर्षीय किशोरी अपने घर की चौथी मंज़िल पर बनी पानी की टंकी पर जाकर बैठ गई और नीचे लोगों पर पत्थर फेंकने लगी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने कंट्रोल रूम को फोन किया। सूचना मिलने पर वैशाली फायर स्टेशन से दमकल कर्मियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। किशोरी बेहद घबराई हुई थी, चिल्ला रही थी और नीचे उतरने से मना कर रही थी। दमकल कर्मियों ने पहले उसे समझाने-बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद फायर सर्विस की डिजास्टर वन यूनिट के सदस्य विनय यादव, आयुष्मान और विकास ने पास के मकान की छत से जोखिम भरा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए टीम ने किशोरी को सुरक्षित नीचे उतार लिया। हालांकि रेस्क्यू के बाद किशोरी काफी डरी हुई थी और उसकी हालत संभालने में समय लगा, लेकिन समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। इस संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि सुबह करीब 4:09 बजे दमकल स्टाफ को सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम तत्काल रवाना हुई। सुबह का समय होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में अपेक्षाकृत कम दिक्कत आई, जबकि यह इलाका घनी आबादी वाला है लेकिन दमकल कर्मियों की तत्परता, मेहनत और सूझबूझ से एक किशोरी की जान बच सकी।

पुराने वालों पर फिर हुई मेहरबानी

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के लिए मंगल अमंगल बनके आया। हालांकि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अलग-अलग जोन से सुबह से गुडवर्क कई ग्रुपों में घूम रहे थे। तो पुलिस के अधिकारी दोपहर वाली प्रेसवार्ता करने के लिए तैयार थे लेकिन इसी बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वह खबर भी आ गई, जिससे सबके होश उड़ गए। देहात जोन के एक थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार हुए। कमिश्नरेट की यह खबर न सिर्फ आसपास बल्कि लखनऊ तक जा पहुंची और फिर सवाल उठने लगा कि गाजियाबाद से अभी कितने और खाकी वाले इस एंटी करप्शन की टीम के रडार पर आएंगे और इस खबर को कुछ देर ही बीती थी कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में दो नए थाना प्रभारी का खाता खुल गया। बताया जा रहा है कि देहात जोन के जो दोनों थानों पर गए हैं वह पहले भी देहात जोन का हिस्सा रह चुके हैं। बस इस बार थाने बदले हैं, वहीं सवाल यह उठ रहा है कि बीते दिनों कुछ नाम जो रेस में आए थे। फिर उन्हें शामिल नहीं किया गया है। मामला आखिर कहां से डिरेल हो गया है। अब बताया जा रहा है कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एक के बाद एक थाने के ऊपर एंटी करप्शन वालों की पकड़ मजबूत हो रही है, उससे सनसनी है। उधर पुलिस कमिश्नरेट में चर्चा हो रही है कि देहात वाले जोन में इस तरीके मामले सर्वाधिक निकल कर आए हैं। उधर सूत्रों ने जानकारी दी है कि शाम को हुई साहब वाली मीटिंग में भी एंटी करप्शन वाला मुद्दा आया था। अब पुलिस सूत्र बता रहे हैं कि जिन थ्री और टू-स्टार को दोबारा से मौका मिला है, दोनों पर कृपा बरसी है। बताया जा रहा है कि पुराने लिंक और नए लिंक का कमाल है कि सरदार जी असरदार हो गए हैं और कल तक पीआरओ की भूमिका निभाने वाले टू-स्टार पर थाने की कमान आ गई है। बताया जा रहा है कि पहले भी दोनों अलग-अलग मामलों में हटे थे लेकिन कमिश्नरेट का सिस्टम था कि लापरवाही छुप जाती थी लेकिन जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एंटी करप्शन वालों की पकड़ मजबूत हो रही है, उससे बड़े अधिकारी भी हैरान हो गए हैं। उधर बताया जा रहा है कि जिस तरीके से देहात वाला मामला सामने आया है, उसके बाद सिटी और नदिया पार के कई थाना प्रभारी बेहद अलर्ट वाले मोड पर आ गए हैं। साथ ही निर्माण कार्य जिन भी थानों में चल रहा है,उनके प्रभारियों को तो ब्लड प्रेशर की शिकायत तक होनी शुरू हो गई है। कुल मिलाकर देखना होगा कि आने वाले दिनों पर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में किस थ्री-स्टार पर मेहरबानी होती है, वैसे नाम कई के फिर चर्चा में सुनाई दे रहे हैं।

पार्षद धीरज अग्रवाल ने किया दो सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 81 विकास कार्यों को गति देते हुए क्षेत्र के नीति खंड-1 और नीति खंड-2 में नई सड़कों के निर्माण का श्रीगणेश किया गया।

पार्षद धीरज अग्रवाल ने नीति खंड-1 की गली नंबर 3 और नीति खंड-2 की गली नंबर 2 में सीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया। इस विकास कार्य का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को जलभराव और जर्जर सड़कों से मुक्ति दिलाकर सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है। उद्घाटन समारोह के दौरान पार्षद धीरज अग्रवाल ने स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए कहा, वार्ड 81 का समग्र विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना और हर नागरिक तक विकास का लाभ पहुँचाना हमारा लक्ष्य है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से नूपुर अग्रवाल मंडल मंत्री, प्रयाम सक्सैना पार्षद प्रतिनिधि, धीरज शर्मा इंदिरापुरम सोशल मीडिया प्रभारी, सुनील दत्त शर्मा, अशोक पंडित पार्षद प्रतिनिधि। प्रयाम सक्सैना ने कहा कि जनता का विश्वास और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता ही वार्ड को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने इस सड़क निर्माण को क्षेत्र की समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए पार्षद और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि पक्की सड़कों के बनने से न केवल धूल-मिट्टी से राहत मिलेगी, बल्कि मानसून के दौरान होने वाली परेशानियों का भी स्थायी समाधान होगा।

आरकेजीआईटी में 'द सेमीकंडक्टर शिफ्ट' पर पांच दिवसीय एफडीपी का भव्य शुभारंभ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सोमवार, 02 फरवरी 2026 को 'द सेमीकंडक्टर शिफ्ट' विषय पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम सेमीकंडक्टर तकनीक के क्षेत्र में हो रहे वैश्विक बदलावों और नवाचारों पर केंद्रित है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आईजीडीटीयू, दिल्ली से डॉ. जसदीप कौर उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सर्किट डिजाइन की महत्ता पर प्रकाश डाला और उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर संस्थान के ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद और निदेशक डॉ. बी. सी. शर्मा ने भी शिरकत की। उन्होंने शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की दूरी को कम करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों को अनिवार्य बताया।

डीन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, सेमीकंडक्टर तकनीक आज के युग की रीढ़ है।

यह एफडीपी फैकल्टी सदस्यों को डिजाइन, फैब्रिकेशन और उनके वास्तविक अनुप्रयोगों से अपडेट रखने की एक महत्वपूर्ण पहल है। पाँच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन के दौरान विभाग के सभी फैकल्टी सदस्य और छात्र-छात्राएँ उत्साह के साथ उपस्थित रहे।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा के लिए इस वर्ष का अपना जन्मदिन एक आध्यात्मिक हर्ष की अनुभूति लेकर आया। अजय शर्मा ने इस वर्ष अपना जन्मदिन प्रभु जगन्नाथ जी के चरणों में मनाया। अजय शर्मा ने अध्यात्मिक अनुभूति के इस पल को फेसबुक पर साझा किया। बधाईऔर शुभकामनाओं के संदेश को सैलाब लिये यह पोस्ट बनी दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

ट्रंप टैरिफ के 50% से 18% होने का क्या नतीजा, किस सेक्टर पर अब कितना असर

देश के किन-किन सेक्टर्स को इससे फायदा होने की उम्मीद है? कौन से क्षेत्र पहले ही ट्रंप के टैरिफ के असर से सुरक्षित थे? अमेरिका में भारतीय उत्पादों के आयात शुल्क कम होने से क्या होगा?

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच एक साल लंबी वार्ता के बाद आखिरकार एक व्यापार समझौते पर मुहर लग गई है। फिलहाल इस ट्रेड डील की शर्तें सामने नहीं रखी गई है। यानी यह साफ नहीं है कि अमेरिका किस तरह से और किस सेक्टर को टैरिफ से कितनी राहत देने वाला है। हालांकि, यह साफ है कि भारत पर लगे कुल 50 फीसदी टैरिफ में से 25 फीसदी टैरिफ, जो कि भारत पर रूस से तेल खरीदने के एवज में लगाया गया था वह अब हट चुका है। दूसरी तरफ व्यापार घाटे को कम करने के लिए लगाया गया 25 फीसदी आयात शुल्क भी अब 18 फीसदी पर लाया गया है। यानी इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को व्यापार में अपने प्रतिद्वंद्वी देशों के मुकाबले काफी मदद मिलेगी।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ट्रंप के टैरिफ 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी पर आने का क्या असर होगा? देश के किन-किन सेक्टर्स को इससे फायदा होने की उम्मीद है? कौन से क्षेत्र पहले ही ट्रंप के टैरिफ के असर से सुरक्षित थे? अमेरिका में भारतीय उत्पादों के आयात शुल्क कम होने से क्या होगा?

ट्रंप के टैरिफ 50% से घटकर 18% पर आने का क्या असर

इस फैसले की बदौलत भारत से निर्यात किए गए जिन उत्पादों पर अमेरिकी उपभोक्ता/कंपनियां पहले 50 प्रतिशत तक टैरिफ चुकाती थीं, अब वे 18 फीसदी टैरिफ ही चुकाएंगी। इसका असर यह होगा कि भारतीय उत्पादों की कीमत अमेरिकी बाजार में कम होगी और इनका उपभोग, जो पहले कुछ कम हुआ था, वह वापस अपने पुराने स्तर पर लौटेगा।

1. टेक्सटाइल: भारत के कपड़ा उद्योग के निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका पर निर्भर रहा है। दरअसल, टैरिफ लागू होने से पहले तक भारत से होने वाला कुल टेक्सटाइल निर्यात का 28 फीसदी अकेले अमेरिका को जाता था।

इसकी कुल कीमत 10.3 अरब डॉलर से ज्यादा है। टैरिफ दरें बढ़कर 50 फीसदी होने से सबसे ज्यादा प्रभावित भारत ही हुआ था, क्योंकि अमेरिका में आयातकों पर भारतीय कपड़े खरीदने के लिए ज्यादा कीमत देनी पड़ रही थी।

इस लिहाज से भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को अमेरिकी टैरिफ के चलते प्रतियोगिता में नुकसान हुआ। अमेरिका के टैरिफ का असर यह हुआ था कि भले ही भारत का निर्यात लगभग उतना ही रहा, लेकिन कपड़ों के आयात में जो खर्च अमेरिकी आयातकों पर बढ़ा था, उसे भारतीय यानी पहले जो टीशर्ट 1000 रुपये में बनाकर भेजी जाती थी, उसे भारतीय निर्यातक कम कीमतों में अमेरिका भेज रहे थे, ताकि अपने अमेरिकी बाजार को बचाया जा सके।

2. रत्न-आभूषण: भारत के रत्न और आभूषण से जुड़े सेक्टर पर भी अमेरिकी टैरिफ का काफी ज्यादा प्रभाव पड़ा था। इस सेक्टर से अमेरिका को हर वर्ष 12 अरब डॉलर का निर्यात करता है। पहले भारत से निर्यात होने वाले पॉलिश्ड हीरों पर अमेरिका जीरो ड्यूटी लगाता था।

गुजरात में डायमंड हब के नाम से मशहूर सूरत में तो स्थिति यह थी कि यहां काम करने वाले कई लोगों की नौकरी जाने तक की खबरें आईं।

3. कृषि उत्पाद

भारत की ओर से अमेरिका को 5.6 अरब डॉलर से ज्यादा के कृषि उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। बड़े नियातों में से मरीन उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, आयुष और हर्बल उत्पाद, खाद्य तेल, शक्कर और ताजा सब्जियां और फल भी निर्यात इसमें शामिल है। ट्रंप के टैरिफ का सबसे ज्यादा असर भारत की सीफूड इंडस्ट्री यानी मरीन उत्पादों पर पड़ा है। हालांकि, अब टैरिफ 18 फीसदी तक आने से भारत को फायदा हो सकता है।

4. और किन-किन सेक्टर्स पर असर पड़ने की आशंका

इन सेक्टर्स के अलावा चमड़ा और फुटवियर उद्योग से अमेरिका को हर वर्ष 1.18 अरब, केमिकल उद्योग 2.34 अरब और इलेक्ट्रिक और मशीनरी उद्योग 9 अरब डॉलर का निर्यात करता है।

चार्ली किर्क की हत्या के वीडियो पर रोक की मांग, बचाव पक्ष ने लगाया पक्षपात का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिका के सबसे प्रमुख रूढ़िवादी कार्यकर्ताओं और मीडिया हस्तियों में से एक रहे चार्ली किर्क की हत्या के वीडियो पर रोक लगाने की मांग की गई है। 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वो अमेरिकी राजनीति में उभरते हुए सितारा थे। उनको अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का करीबी माना जाता था और अमेरिकी राइट विंग के प्रमुख नेता और टर्निंग पॉइंट यूएसए के मुखिया थे। किर्क जब आउटडोर इवेंट में हिस्सा ले रहे, जब उनको एक शख्स ने गोली मारी थी।

गोलीकांड की वीडियो पर रोक की मांग: रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के ग्राफिक वीडियो, जो कि यूनिवर्सिटी परिसर में उनकी रैली के दौरान बनाए गए थे। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए और लाखों लोगों ने उन्हें देखा। अब इस मामले में आरोपी व्यक्ति के वकीलों ने राज्य के एक न्यायाधीश से मांग की है कि मंगलवार (03 फरवरी) को होने वाली सुनवाई में ऐसे वीडियो दिखाने पर रोक लगाई जाए।

दरअसल, बचाव पक्ष ने कोर्टरूम में टीवी और फोटोग्राफी कैमरों को भी बाहर रखने की अपील की है। उनका कहना है कि 'अत्यधिक पक्षपाती' मीडिया कवरेज से मामले पर असर पड़ सकता है और निष्पक्ष सुनवाई बाधित हो सकती है। इधर, कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि बचाव पक्ष की चिंता वाजिब है। उन्होंने कहा, 'जब जूरी पहले से ही मीडिया से मिली जानकारी लेकर अदालत में आती है, तो वह अदालत में पेश किए गए सबूतों को उसी नजरिए से देखने लगती है।

क्या भारत बंद करेगा रूसी तेल खरीद, ट्रंप के एलान पर रूस बोला- नई दिल्ली से नहीं मिला कोई इशारा

मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत के साथ एक व्यापार समझौते का एलान किया। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि इस व्यापार समझौते के तहत भारत की रूस से तेल की खरीद बंद करने और व्यापार बाधाओं को कम करेगा। ट्रंप ने कहा कि इसके बदले में भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते का एलान कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस मामले पर अब रूस का बयान भी सामने आ गया है। क्रेमलिन ने मंगलवार को कहा कि उसे भारत से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद वह रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। इस पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एएफपी से बातचीत में कहा, 'अभी तक हमें इस मामले पर नई दिल्ली से कोई बयान नहीं मिला है।'

रूस-भारत की साझेदारी के विकास को भी देते हैं महत्व :क्रेमलिन

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस भारत के साथ संबंधों पर ट्रंप की टिप्पणियों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, 'हम अमेरिका-भारत के द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं। लेकिन हम रूस और भारत के बीच एक उन्नत रणनीतिक साझेदारी के विकास को भी उतना ही महत्व देते हैं।'

उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है और हम दिल्ली के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने का इरादा रखते हैं।' गौरतलब है कि 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत रियायती कीमत पर रूसी समुद्री मार्ग से आने वाले कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

भारत के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप ने किया था क्या एलान: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल की खरीदने की वजह से 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। यह उस पारस्परिक शुल्क से अलग था, जिसे ट्रंप ने भारत के लिए 25 फीसदी कर दिया था। ट्रंप ने सोमवार को रूसी तेल खरीद बंद करने और व्यापार बाधाओं को कम करने के बदले में भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है।

शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 70 मिसाइलें-450 ड्रोन से बरपाया कहर

कीव। जेलेंस्की ने मंगलवार को बताया कि रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में बिजली केंद्रों को निशाना बनाया गया, जिससे कड़ाके की ठंड में हजारों लोग बिना बिजली और हीटिंग के रहने को मजबूर हैं। जेलेंस्की ने इसे रूस की डराने वाली नीति बताते हुए दुनिया से मदद मांगी है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर एक बहुत बड़ा हमला किया है। इस दौरान रूस ने लगभग 450 लंबी दूरी के ड्रोन और 70 अलग-अलग तरह की मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में शांति वार्ता करने वाले हैं। अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली इस बातचीत का मकसद चार साल से चल रहे युद्ध को रोकना है।

जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने यूक्रेन के पांच राज्यों में बिजली ग्रिड को निशाना बनाया। कड़ाके की ठंड के बीच रूस का मकसद नागरिकों को बिजली, पानी और हीटिंग से महरूम रखना है।

इस हमले में दस लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस कूटनीति के बजाय लोगों को डराने में ज्यादा यकीन रखता है। उन्होंने अपने सहयोगियों से और ज्यादा सुरक्षा उपकरण भेजने और रूस पर दबाव बनाने की अपील की है, ताकि इस युद्ध को खत्म किया जा सके।

हमले में पावर ग्रिड को पहुंचा नुकसान: अबू धाबी में बुधवार और गुरुवार को बातचीत होनी है। हालांकि ट्रंप प्रशासन जमीन के कब्जे जैसे बड़े मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन फिलहाल कोई बड़ा समझौता मुश्किल लग रहा है। यूक्रेन की सबसे बड़ी बिजली कंपनी डीटीईके ने बताया कि हमले में उनके पावर प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा है।

अधिकारियों ने क्या कहा

अधिकारियों ने कहा कि राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, राजधानी कीव में पांच लोग घायल हुए हैं। वहां कई घरों, एक स्कूल और गैस स्टेशन को नुकसान पहुंचा और उसमें आग लग गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमले की वजह से 1,170 इमारतों में हीटिंग की सुविधा बंद हो गई है। फिलहाल मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। कुछ अपार्टमेंट और बिल्डिंग को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर बिजली बहाल कर दी गई थी।

कांस्य प्रतिमा को काटकर ले गए चोर, भारत ने की कार्रवाई की मांग

मेलबर्न। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई भारतीय कम्युनिटी सेंटर से महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई कर दोषियों की पहचान और प्रतिमा की वापसी की मांग की है।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में महात्मा गांधी की 426 किलोग्राम वजनी कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है। यह प्रतिमा ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर के बाहर लगी थी और भारतीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व रखती थी। इस घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में गहरी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। भारत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया है और तुरंत कार्रवाई कर प्रतिमा की वापसी और जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की मांग की है।

भारत सरकार की प्रतिक्रिया

विदेश मंत्रालय के अधिकारी और आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 3 फरवरी 2026 को मीडिया से बातचीत में कहा हम गांधी प्रतिमा के विनाश और चोरी की कड़ी निंदा करते हैं। यह प्रतिमा रोवविले, मेलबर्न के ऑस्ट्रेलियाई भारतीय कम्युनिटी सेंटर में स्थापित थी। हमने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों से आग्रह किया है कि इस चोरी की तत्काल जांच हो, प्रतिमा को वापस लाया जाए और दोषियों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़े।

इस प्रतिमा को नई दिल्ली स्थित इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस ने ऑस्ट्रेलिया को उपहार में दिया था। इसका उद्घाटन 12 नवंबर 2021 को ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने किया था। उद्घाटन के 24 घंटे के भीतर ही अज्ञात लोगों ने प्रतिमा में तोड़फोड़ की थी।

घटना का विवरण

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना सोमवार को लगभग दोपहर 12:50 बजे हुई। मेलबर्न पुलिस के मुताबिक, तीन अपराधियों ने प्रतिमा को उसके फाउंडेशन से काटने के लिए एंगल ग्राइंडर का इस्तेमाल किया। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में प्रतिमा को टखनों से कटे हुए देखा जा सकता है और स्थल पर अब केवल पैरों के अवशेष ही बचे हैं। प्रतिमा की चोरी की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस वारदात के पीछे कौन है और प्रतिमा कहां है।

कनाडा में गोलीबारी के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी 'प्रोजेक्ट एश्योरेंस' का हिस्सा थे। ये दल उन इलाकों में गश्त करता है, जहां जबरन वसूली से जुड़ी हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। सरे पुलिस ने बताया कि हाल के महीनों में इलाके में घरों और व्यवसायिक परिसरों पर गोलीबारी की घटनाएं बढ़ी हैं और नए साल के बाद इनमें और इजाफा हुआ है।

कनाडा के सरे शहर में एक घर के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। कनाडाई पुलिस के अनुसार आरोपियों को रंगदारी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पकड़ा गया।

सरे पुलिस सेवा ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि हरजोत सिंह (21), तरणवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) पर एक-एक मामले में हथियार से गोलीबारी करने का आरोप लगाया गया है। तीनों को हिरासत में भेज दिया गया है और वे 5 फरवरी 2026 तक रिमांड पर रहेंगे।

घर के बाहर गोली चलने और आग की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, 1 फरवरी 2026 की सुबह सरे के क्रेसेंट बीच इलाके में क्रेसेंट रोड और 132 स्ट्रीट के पास एक घर के बाहर गोली चलने और छोटी आग लगने की सूचना मिली थी। इसके कुछ ही समय बाद गश्ती दल ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच अब सरे पुलिस की मुख्य अपराध शाखा कर रही है। तीनों आरोपियों पर कनाडा के आपराधिक संहिता की धारा 244.2(1)( ) के तहत किसी स्थान पर गोली चलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और आगे और आरोप भी लगाए जा सकते हैं।

सरे पुलिस ने पुष्टि की है कि तीनों आरोपी विदेशी नागरिक हैं और इस मामले में कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) को भी शामिल किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के वीजा या आव्रजन स्थिति की भी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपी को चोटें आईं, जिनमें दोनों आंखों के नीचे सूजन शामिल है। सरे पुलिस की स्टाफ सार्जेंट लिंडसे हॉटन ने बताया कि एक आरोपी ने राइड-शेयर वाहन से बाहर आने के निर्देशों का पालन नहीं किया और सक्रिय रूप से विरोध किया, जिसके बाद उसे जमीन पर गिराकर सुरक्षित रूप से हथकड़ी लगाई गई। उन्होंने बताया कि दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तारी के दौरान चोट लगी, क्योंकि उसने भी निर्देशों का पालन नहीं किया।

4 करोड़ का बजट आया मरियम नवाज के सजने संवरने पर

मुल्क में बेतहाशा महंगाई, मरियम नवाज के लिए जवाब देना मुश्किल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी- मरियम नवाज के सजने संवरने पर पाकिस्तान में चार करोड़ का बजट जारी किए जाने की खबर है। पाकिस्तान के पंजाब सूबे से सामने आए इस अजीबो गरीब आदेश की कॉपी मौजूद अमर उजाला के पास है। मुख्यमंत्री मरियम नवाज से जुड़ा ये मामला क्यों सुर्खियों में है?

गरीबी और कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान के पंजाब सूबे की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के लिए उनकी सरकार ने चार करोड़ रुपए का ऐसा फंड जारी किया है जिस पर हंगामा मच गया है। दरअसल यह फंड उनके मेकअप के लिए जारी किया गया है।

यही नहीं पाकिस्तान सरकार ने मरियम नवाज के साथ साथ सूचना मंत्री आजम जाहिर बुखारी के लिए भी उनके मेकअप और प्रेजेंटेशन एक्सपेंस के तौर पर इसको जारी किया है। इससे पहले भी मरियम नवाज की सरकारी गाड़ी के टायर बदलवाने के लिए एक करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च करने का मामला तूल पकड़ चुका है। इस बजट के जारी होने के बाद पाकिस्तान में हंगामा मच गया है।

महंगाई की मार: पुराने बकाया बिल का भुगतान लंबित

पाकिस्तान को करीब से समझने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की आदत हमेशा से रही है कि वह अपनी अवाम को छोड़कर अपने लिए ही पैसे खर्च करती आई है। कई बार स्थितियां ऐसी हुई कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कंगाली और गरीबी से फजीहत का सामना करना पड़ा। बीते दो वर्षों में पाकिस्तान ने दुनिया के अलग-अलग देश में मौजूद अपने दूतावासों समेत काउंसलेट का कई जगह बिल तक नहीं भरा। नतीजा हुआ कि पाकिस्तान की ओर से दुनिया के अलग-अलग देश में जाए वाले कई मंत्रियों को दूतावासों की गाड़ियां तक नहीं उपलब्ध हो सकीं। अमर उजाला के पास पाकिस्तानी दूतावासों की ओर से पाकिस्तान सरकार को लिखी गई वह चिट्ठियां भी मौजूद हैं जिसमें पुराने बकाया बिल का भुगतान नहीं किए जाने का जिक्र तक किया गया है। पाकिस्तान के न्यूयॉर्क स्थित काउंसलेट में इस्लामाबाद के डिप्टी अकाउंट ऑफिसर को भेजी गई एक चिट्ठी में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया की 1 जुलाई 2023 से लेकर 30 जून 2024 तक का साढ़े तीन करोड़ पाकिस्तानी रुपया बकाया है।

लोगों का कहना है कि पाकिस्तान में रोजमर्रा की चीजों में जबरदस्त महंगाई है। गरीब पाकिस्तान में करोड़ों रुपए का बजट सिर्फ सजने संवरने के लिए कैसे जारी किया जा सकता है। पाकिस्तान के पंजाब राज्य की ओर से मुख्यमंत्री के सजने संवरने संबंधी जारी किए गए चार करोड रुपए के बजट वाले सरकारी आदेश की कॉपी अमर उजाला के पास मौजूद है।

पाकिस्तान में 1 लीटर दूध की कीमत 200 रुपए से लेकर 370 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई है। बदहाल आर्थिक स्थिति के चलते इस वक्त पाकिस्तान में 400 से 500 रुपए दर्जन केला और तकरीबन 500 किलो सेब बिक रहा है। कंगाली की ऐसी दशाओं के बाद पिछले महीने 12 जनवरी को लाहौर में पंजाब सरकार के कैबिनेट सेक्रेटरी की ओर से 4 करोड रुपए की एक स्पेशल ग्रांट जारी करने का आदेश पारित होता है ।जानकारी के मुताबिक बेहद गुप्त तरीके से इस आदेश को जारी किया लेकिन सरकार के ही कुछ लोगों ने इसका अंदरूनी तौर पर विरोध करना शुरू कर दिया। अब स्थिति यह हो गई है कि पाकिस्तान में पंजाब के मुख्यमंत्री मरियम नवाज को इस मामले में जवाब देते नहीं बन रहा है।

पाकिस्तान में लंबे समय से बदहाली का आलम: दुनिया के कई देशों में भारतीय दूतावासों में अपनी सेवाएं दे चुके रिटायर्ड कर्नल मनदीप सिंह ढिल्लो कहते हैं कि 2024 से लेकर 2026 के बीच में कई ऐसी चिट्टियां पाकिस्तान ने अपने दूतावासों को लिखी जिससे उनकी कंगाली और गरीबी स्पष्ट तौर पर जाहिर होती रही है। वह कहते हैं पाकिस्तान में इस वक्त भी बदहाली का आलम बिल्कुल उसी तरह है। ऐसे में पाकिस्तान के पंजाबी। सूबे की मुख्यमंत्री और एक मंत्री के लिए उनके मेकअप पर चार करोड रुपए खर्च करना बताता है कि यह देश कभी भी अपनी आवाम के लिए नहीं सोचता।

व्हाइट हाउस में आज डोनाल्ड ट्रंप-कोलंबियाई राष्ट्रपति की मुलाकात

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो की व्हाइट हाउस में मेजबानी करने जा रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब कुछ ही हफ्ते पहले ट्रंप ने पेट्रो को 'बीमार आदमी' कहा था और उन पर अमेरिका में ड्रग्स भेजने के आरोप लगाए थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा और नशा तस्करी रोकने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिए कि वे पेट्रो के रवैये में नरमी देख रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी कार्रवाई के बाद पेट्रो का रवैया 'काफी बदल गया' है।

ट्रंप रूढ़िवादी तो वामपंथी नेता हैं पेट्रो

हालांकि, दोनों नेताओं के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ट्रंप रूढ़िवादी विचारधारा के हैं, जबकि पेट्रो वामपंथी नेता हैं। दोनों की बयानबाजी अक्सर तेज और अप्रत्याशित रहती है, इसलिए इस मुलाकात को लेकर भी 'कुछ भी हो सकता है' जैसी स्थिति बनी हुई है। गुस्तावो पेट्रो ने हाल के दिनों में भी ट्रंप की आलोचना जारी रखी है। उन्होंने गाजा को लेकर ट्रंप पर कड़े आरोप लगाए और वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को 'अपहरण' बताया। वॉशिंगटन रवाना होने से पहले पेट्रो ने कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने की अपील भी की।

अमेरिका-कोलंबिया रिश्तों में बदलाव

परंपरागत रूप से कोलंबिया अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। पिछले 30 वर्षों में अमेरिका ने कोलंबिया के साथ मिलकर ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई, विद्रोही गुटों से लड़ाई और ग्रामीण विकास पर काम किया है।

स्वर्गीय अमर देवी की शोक सभा में दी गई उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह की मदर-इन-लॉ अमर देवी का निधन 23 जनवरी को हो गया था। स्वर्गीय अमर देवी की शोकसभा मंगलवार को गुरूग्राम में आयोजित की गई। शोकसभा में राजनीति, समाजसेवा के गणमान्य चेहरे पहुंचे और सभी ने स्वर्गीय अमरदेवी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गाजियाबाद से भी कईचेहरे गुरूग्राम पहुंचे और श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर स्वर्गीय अमरदेवी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

गाजियाबाद में घना कोहरा
आंधी-बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट
घने कोहरे के साथ मौसम बिगड़ने के आसार

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा चेतावनी और जारी मौसम नक्शे के अनुसार गाज़ियाबाद जनपद में आगामी 24 से 48 घंटों के दौरान मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने की संभावना है। जिले को घने से बहुत घने कोहरे और आंधी-बारिश के चेतावनी क्षेत्र में दर्शाया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार गाज़ियाबाद में हल्की बारिश के साथ गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जो झोंकों के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है।

घना कोहरा बना रहेगा

नक्शे के मुताबिक गाज़ियाबाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उस क्षेत्र में शामिल है, जहां सुबह और रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई है। जिले में 5 फरवरी 2026 तक कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग ने वाहन चालकों को कोहरे के दौरान सावधानी बरतने, धीमी गति से चलने और आवश्यक होने पर ही यात्रा करने की सलाह दी है। साथ ही किसानों को भी बदलते मौसम को देखते हुए सतर्क रहने को कहा गया है।

2026-27 बजट पर प्रतिक्रिया

विकास की नई इबारत लिखेगा बजट, हर वर्ग का रखा गया ध्यान : श्रीभगवान अग्रवाल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल ने वर्ष 2026 के बजट की सराहना करते हुए इसे अब तक का सबसे संतुलित और भविष्योन्मुखी बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूती देगा, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण को भी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में मध्यम वर्ग को राहत देने और विकास कार्यों के लिए पर्याप्त फंड आवंटित करने का जो तालमेल बिठाया गया है, वह सराहनीय है। श्रीभगवान अग्रवाल के कहा 2026 का बजट सड़कों, ड्रेनेज सिस्टम और लाइटिंग जैसे बुनियादी कार्यों में तेजी लाएगा, जिससे जनता का जीवन सुगम होगा।

हर वर्ग के हितों का रखा गया ध्यान, यह भविष्य संवारने वाला बजटः बॉबी त्यागी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। महानगर कार्यकारिणी सदस्य बॉबी त्यागी ने 2026 के बजट का स्वागत करते हुए इसे जन-कल्याणकारी और प्रगतिशील बताया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि इस बजट में समाज के हर तबके—चाहे वो किसान हो, युवा हो या व्यापारी—सभी का विशेष ध्यान रखा गया है। बॉबी त्यागी ने कहा, 2026 का बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। सरकार ने बुनियादी ढांचे और जन-सुविधाओं के लिए जो प्रावधान किए हैं, उससे विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने आगे कहा कि बजट में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है जिससे आम आदमी को राहत मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बॉबी त्यागी बोले- 'सबका साथ, सबका विकास' की झलक। 2026 का बजट बेहतर और समावेशी, हर वर्ग को मिला।

केंद्रीय बजट 2026 में सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान : पिंटू तोमर

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता पिंटू तोमर ने केंद्रीय बजट 2026 पर कहा कि यह बजट सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और आर्थिक अनुशासन का संतुलित उदाहरण है। पिंटू तोमर ने कहा कि बजट में हर वर्ग की आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित की गई है, खासकर मध्यम वर्ग, किसान, युवा और महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत की नींव रखेगा और देश को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मदद करेगा।

डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ की त्वरित पहल से सड़क के बीच खड़ा 'बिजली का पोल' हटा

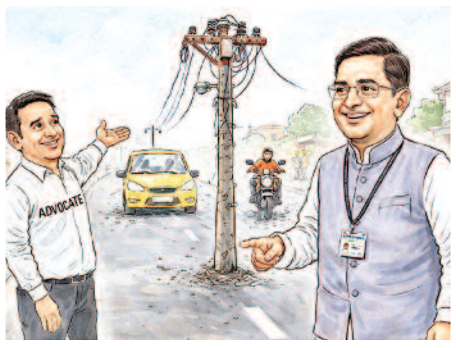

मोदीनगर, करंट क्राइम। आनंद विहार कॉलोनी की मुख्य सड़क पर पिछले 17 वर्षों से सड़क के बीचो-बीच खड़ा एक इलेक्ट्रिक पोल लोगों के लिए सिर्फ एक ढांचा नहीं, बल्कि हर गुजरते दिन का खतरा बन चुका था। वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते थे, राहगीर डर के साए में सड़क पार करते थे और मामूली सी चूक बड़े हादसे में बदल सकती थी।

स्थानीय लोगों की शिकायतें वर्षों तक अलग-अलग दफ्तरों की फाइलों में घूमती रहीं, लेकिन समाधान कहीं नहीं दिखा। इसी बीच एडवोकेट नरेश कुमार शर्मा ने इस गंभीर समस्या को प्रशासन के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया और सड़क के बीच खड़े इस खतरनाक पोल की शिकायत सीधे रविंद्र कुमार मॉंदड़ के समक्ष रखी। शिकायत मिलते ही जिलाधिकारी ने बिना देरी किए मामले की गंभीरता को समझा और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासन की सक्रियता का असर यह रहा कि वर्षों से सड़क के बीच खड़ा यह पोल कुछ ही समय में हटवा दिया गया। पोल हटते ही सड़क खुली, यातायात सहज हुआ और कॉलोनीवासियों ने राहत की सांस ली।

कॉलोनीवासियों का कहना है कि यह सिर्फ एक पोल हटाने की कार्रवाई नहीं, बल्कि यह भरोसा लौटने की घटना है—कि अगर बात सही तरीके से सही जगह पहुंचे, तो प्रशासन भी उतनी ही तेजी से समाधान करता है। लोगों ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ का आभार जताते हुए इसे जनहित में संवेदनशील प्रशासनिक निर्णय बताया।

महापौर सुनीता दयाल ने 6 करोड़ 50 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास, गुणवत्ता पर दिया विशेष जोर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहर में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर सुनीता दयाल ने मंगलवार को नगर के विभिन्न वार्डों में लगभग 6 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से कराए जाने वाले नाला, सड़क व सौंदर्यकरण से जुड़े विकास कार्यों का नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया।

महापौर ने कहा कि शहर के हर कोने में विकास कार्य कराना उनका लक्ष्य है और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। महापौर द्वारा जिन विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया, उनमें वार्ड-39 भाटिया रोड गुरुद्वारे के सामने आरसीसी नाले के नवीनीकरण का कार्य लगभग 1 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से, मेरठ तिराहे से गंगाजल रोड होते हुए एनएच-9 तक सेंट्रल वर्ज का सौंदर्यकरण कार्य लगभग 1 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से, वार्ड-27 में आयुर्वेदिक चिकित्सालय से बिजली घर होते हुए सीवरेज प्लांट के मुख्य नाले तक सड़क के दोनों ओर नाला निर्माण का कार्य लगभग 1 करोड़ 31 लाख रुपये की लागत से शामिल है। इसके अलावा वार्ड-27 में ही प्लांट रोड हनुमान मंदिर से सैन विहार राहुल तक तथा डूंडाहेड़ा में नरेश त्यागी से डॉक्टर बब्बन तक आरसीसी नाला निर्माण का कार्य लगभग 1 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा।

वहीं वार्ड-46 न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में गली नंबर-7 में शंकर जोशी के मकान से देवेंद्र यादव के मकान तक नाली व सड़क निर्माण कार्य लगभग 19 लाख 48 हजार रुपये की लागत से तथा वार्ड-51 जी-ब्लॉक प्रताप विहार में अलौकिक हॉस्पिटल से मकान संख्या जी-179 तक सड़क निर्माण व साइड पटरी पर टाइल्स लगाने का कार्य लगभग 12 लाख 52 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा।

महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि ये सभी विकास कार्य स्थानीय नागरिकों और पार्षदों की मांग पर उनके पत्रों के आधार पर कराए जा रहे हैं, जिनकी लंबे समय से आवश्यकता थी। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के लाखों लोगों को आवागमन, जलनिकासी और सौंदर्यीकरण का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों व ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री से कराए जाएं, ताकि कार्य टिकाऊ और मजबूत बन सकें।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान महापौर ने स्थानीय जरूरतमंद लोगों को अपने स्तर से मंगवाए गए कोट व कंबल भी वितरित किए, जिनकी गुणवत्ता की लोगों ने सराहना की। इस अवसर पर पार्षद नरेश जाटव, उदित मोहन, विनिल दत्त, दयानंद शर्मा, राजेश शर्मा, ऋषभ तिवारी, मद्रासी भाई सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

डॉ. उदिता त्यागी के आमरण अनशन को मिला समर्थन, आंदोलन जारी रखने का संकल्प

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। डासना स्थित शिवशक्ति धाम में यूजीसी एक्ट के विरोध में डॉ. उदिता त्यागी द्वारा किए जा रहे आमरण अनशन के समर्थन में विभिन्न संगठनों और समाज के लोगों की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण महासभा की महानगर अध्यक्ष गीता त्यागी ने डॉ. उदिता त्यागी के साथ अनशन पर बैठकर समर्थन व्यक्त किया। आंदोलन की आगामी रणनीति पर शीघ्र विचार किए जाने की बात कही गई।

नगर पंचायत डासना की वरिष्ठ सभासद शशि चौहान ने कहा कि डॉ. उदिता त्यागी को नजरबंद किए जाने से आंदोलन समाप्त नहीं होगा। यह विषय बच्चों के भविष्य और उच्च शिक्षा से जुड़ा है, जिस पर सरकार को गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी के अनशन के दूसरे दिन शिव सेना नेता महेश आहूजा, आरएलडी नेत्री दीपमाला चौधरी, सैनिक संस्थान के पदाधिकारी ज्ञानेंद्र, सुमन त्यागी, वंदना सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता धरना स्थल पर उपस्थित रहे। त्यागी समाज के गाजियाबाद के पदाधिकारियों एवं भाजपा की महिला नेत्रियों ने भी अनशन स्थल पर रहकर समर्थन जताया। आंदोलन से जुड़े पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यूजीसी एक्ट को वापस लिए जाने तक विरोध जारी रहेगा। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज एवं डॉ. उदिता त्यागी ने आंदोलन को संगठित रूप देने के लिए आगे की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

पुलिस कमिश्नर के ऑपरेशन प्रहार से नशा तस्करों में हड़कंप

सिटी से देहात तक चली बड़ी कार्रवाई, 60 लाख से अधिक की नकदी और कई किलो गांजा बरामद

- महिला तस्करों को भी दबोचा गया

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। सिटी से लेकर देहात तक चली इस कार्रवाई में पुलिस ने लगभग 60 लाख रुपये की नकदी और कई किलो अवैध गांजा बरामद कर नशा कारोबार से जुड़े कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नंदग्राम थाना पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 59.16 लाख रुपये नकद, पौने पांच किलो अवैध गांजा और 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मंगलवार को तीस फुटा रोड, गली नंबर-एक में संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग गांजा बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर बृजराज, उसकी पत्नी लल्ला बाई, सोना और गीता को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से अपने घरों से ही गांजा तस्करी का कारोबार चला रहे थे। गांजा दिल्ली से दोपहिया वाहनों के जरिए सप्लाई किया जाता था, जिसे छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक कर आसपास के इलाकों में बेचा जाता था। एसीपी के अनुसार सोना के खिलाफ पहले से ही सिहानी गेट थाने में एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज है। गिरोह से जुड़े अन्य सप्लायरों की तलाश तेज कर दी गई है। बरामद मोबाइल फोन का डाटा खंगाला जा रहा है ताकि पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ी जा सकें।

अभियान रहेगा जारी : सीपी

करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड का कहना है कि ऑपरेशन प्रहार के तहत नशा कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। पुलिस कमिश्नर का स्पष्ट निर्देश है कि गाजियाबाद को नशा मुक्त बनाने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

ग्रामीण और नदिया पार जोन में भी चला सघन अभियान

करंट क्राइम। ऑपरेशन प्रहार के तहत ग्रामीण और नदिया पार वाले जोन में भी रात सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम, एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना सहित कई थानों की पुलिस फोर्स शामिल रही। वहीं डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल, एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि अभियान के दौरान लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र से शिवम और अनुज उर्फ अन्नू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने बेहटा स्टेशन के पास गांजा बिक्री की बात स्वीकार की। वहीं, मोदीनगर क्षेत्र में दबिश के दौरान अय्यूब और उसका भाई मुस्तफा निवासी किदवई नगर, सौंदा रोड को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से करीब डेढ़ किलो गांजा, डिजिटल तराजू और अन्य सामग्री बरामद की गई है।

आठ थानों का रिस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए मिलीं 10 नई बाइकें

क्राइम कंट्रोल में भी होंगी इस्तेमाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में यूपी-112 परियोजना के द्वितीय चरण की शुरूआत हो गई है। इस चरण के तहत आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गाजियाबाद पुलिस को 10 नई दोपहिया पीआरबी (पल्सर) बाइक उपलब्ध कराई गई हैं।

इन बाइकों का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में तेज रिस्पॉन्स, अपराध नियंत्रण और किसी भी सूचना पर पुलिस की तत्काल मौजूदगी सुनिश्चित करना है। रिजर्व पुलिस लाइन से इन 10 दोपहिया बाइकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर एडीसीपी क्राइम एवं प्रोटोकॉल पीयूष सिंह, एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन, प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के अनुसार, इन नई पीआरबी बाइकों की तैनाती से क्विक रिएक्शन टाइम बेहतर होगा, साथ ही अपराध नियंत्रण और आम जनता को समय पर सहायता देने में पुलिस और अधिक सक्षम हो सकेगी।

थाना-वार बाइकों का वितरण इस प्रकार है

- साहिबाबाद थाना : 2 पल्सर
- विजयनगर थाना : 2 पल्सर
- क्रॉसिंग रिपब्लिक : 1 पल्सर
- शालीमार गार्डन : 1 पल्सर
- नंदग्राम : 1 पल्सर
- लोनी : 1 पल्सर
- अंकुर विहार : 1 पल्सर
- कविनगर : 1 पल्सर